बागेश्वर धाम एवं मेहंदीपुर बालाजी के चरणों में समर्पित

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

संस्कार उजाला

सच का हुंकार

sanskarujala@gmail.com

संस्थापक स्व० सुखराम शर्मा एवम शिवकुमार शर्मा, श्री प्रकाशवीर

गाजियाबाद से प्रकाशित, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा, सहारनपुर, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, हापुड, बुलंदशहर, मथुरा आगरा, इटावा, कानपुर एंव लखनऊ से प्रसारित

वर्ष : 11 अंक : 94 | बुधवार 26 जुलाई 2023 गाजियाबाद | RNI No-UPHIN / 2013 / 50466 | पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

संस्कार उजाला

हिन्दी समाचार पत्र को आवश्यकता है

विज्ञापन एंव खबर लाने वाले स्टाफ की।

सम्पर्क करें

मो0-9456278011

'लाल डायरी' पर सचिन पायलट की चुप्पी, गुढ़ा से बनाई दूरी ? मजबूरी या रणनीति

राजस्थान में बर्खास्त मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा की कथित लाल डायरी पर सचिन पायलट की चुप्पी साधे हुए है। सियासी जानकार चुप्पी के अलग-अलग सियासी मायने निकाल रहे हैं। गुढ़ा पायलट कैंप के माने जाते हैं।

जयपुर। राजस्थान में बर्खास्त मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा की कथित लाल डायरी पर सचिन पायलट की चुप्पी साधे हुए है। सियासी जानकार पायलट की चुप्पी के अलग-अलग सियासी मायने निकाल रहे हैं। जिस डायरी को लेकर राजस्थान की राजनीतिक का सियासी ताप बढ़ा हुआ है, उसे लेकर न तो सचिन पायलट बोल रहे हैं और न ही उनके कैंप के विधायक। वैसे राजस्थान की सियासत में लाल डायरी की राजनीति लंबे समय से चलती आ रही है। हाल ही में बर्खास्त हुए मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने एक बार फिर लाल डायरी की सियासत को हवा दे दी है। गुढ़ा का कहना है कि लाल डायरी में गहलोत के काले कारनामों के राज छिपे है। बर्खास्त मंत्री गुढ़ा पायलट कैंप के माने जाते हैं। पायलट की मौजूदगी में गुढ़ा कांग्रेस आलाकमान से लेकर सीएम अशोक गहलोत को निशाने पर लेते रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि साढ़े चार

तक गहलोत सरकार को घेरने वाले सचिन पायलट की चुप्पी के मायने है। पायलट जानते है कि चुनाव का समय नजदीक है।बयानबाजी से नुकसान होगा। सियासी जानकारों का कहना है कि पायलट को राजेंद्र गुढ़ा की वफादारी पर भी संदेह है?

पायलट राजेंद्र गुढ़ा से दूरी बनाकर चल रहे हैं-राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि सचिन पायलट राजेंद्र गुढ़ा से दूरी बनाकर चल रहे हैं। पायलट कैंप के किसी विधायक या नेता का बयान फिलहाल नहीं आया है। बता में राहुल गांधी और खड़गे की मौजूदगी में दिल्ली में हुई सुलह के बाद सचिन पायलट पूरी तरह से चुप्पी साधे हुए है। पायलट कैंप के विधायक भी चुप्प है। सियासी जानकारों का कहना है कि सचिन पायलट को कांग्रेस आलाकमान ने बड़े पद के लिए ठोस आश्वासन दिया है। शायद यही कारण हो सकता है पायलट सरकार रिपीट करने की बात कह रहे हैं। सियासी जानकारों का कहना है कि राजेंद्र गुढ़ा ने गहलोत सरकार को गिरने से बचाने में अहम भूमिका निभाई थी, लेकिन बाद में गुढ़ा पायलट कैंप की तरफ शिफ्ट हो गए। लेकिन पायलट कैंप गुढ़ा से दूरी बनाए हुए है।

बसपा से कांग्रेस में शामिल विधायकों ने छोड़ा साथ? झुंझुनूं जिले की उदयपुरवादी विधानसभा सीट से बसपा के टिकट पर चुनाव जीतकर कांग्रेस में शामिल हुए राजेंद्र गुढ़ा विवादास्पद बयानों के लिए अक्सर सुर्खियों में रहे हैं। गुढ़ा 17 सितंबर 2019 को अपने 5 साथी विधायकों के साथ कांग्रेस में शामिल हो गए थे। गुढ़ा कहते रहे हैं कि बसपा विधायक मेरी अगुवाई में कांग्रेस में शामिल हुए है। सरकार को गिराने से बचाने से लेकर राज्यसभा चुनाव तक सभी बसपा विधायक एकजुट रहे। गिर्राज सिंह मलिंगा, राजेंद्र गुढ़ा, लाखन मीना, वाजिब अली, संदीप यादव, जोगिंद्र सिंह अवाना और दीपचंद खैरिया बसपा से कांग्रेस में शामिल हुए थे। लेकिन मौजूदा दौर में जब राजेंद्र गुढ़ा सियासी संकट में फंसे हुए तो उनके साथ कोई भी विधायक खड़ा नहीं है। फिलहाल सब चुप्पी साधे हुए है।

बीएसएफ ने रामगढ़ में पाकिस्तानी मादक पदार्थ तस्कर को किया ढेर

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के सांबा सेक्टर के रामगढ़ इलाके में आज तड़के सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने इलाके में मादक पदार्थों की तस्करी के प्रयास को विफल करते हुए एक पाकिस्तानी तस्कर को मार गिराया है। बीएसएफ प्रवक्ता ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि बीती रात सतर्क बीएसएफ जवानों ने एक पाक तस्कर को मार गिराया, जब वह रामगढ़ सीमा क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी करने की प्रयास कर रहा था। उन्होंने बताया कि इलाके की शुरुआती तलाशी के दौरान तस्कर के शव के साथ संदिग्ध नशीले पदार्थ के के चार पैकेट मिले। उन्होंने बताया कि इलाके में तलाशी अभियान जारी है।

जम्मू आधार शिविर से 3025 श्रद्धालुओं का नया जत्था अमरनाथ गुफा के लिए रवाना

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के भगवती नगर आधार शिविर से मंगलवार को 'बम बम भोले' के जयकारा लगाते हुए 3025 तीर्थयात्रियों का 23वां जत्था श्री अमरनाथ गुफा तीर्थ के लिए रवाना हुआ।

एक अधिकारी ने आज यहां बताया कि 3025 तीर्थयात्री 119 वाहनों के काफिले में आधार शिविर से रवाना हुए।

उन्होंने बताया कि 1865 तीर्थयात्रियों (1535 पुरुष, 275 महिलाएं, दो बच्चे, 48 साधु और पांच साध्वियां) का एक समूह 81 वाहनों के काफिले में पहलगाम के लिए रवाना हुआ हैं। उन्होंने बताया कि बालटाल के लिए 1160 तीर्थयात्री, जिनमें 735 पुरुष, 421 महिलाएं और दो बच्चे शामिल है कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 38 वाहनों के काफिले में रवाना हुए। उल्लेखनीय है कि एक जुलाई से आरंभ हुई यह यात्रा 31 अगस्त का चलेगी।

गोपाल कांडा को बड़ी राहत

एयरहोस्टेस गीतिका की मौत के मामले में अदालत ने किया बरी; चला गया था मंत्री पद

नई दिल्ली। एयरहोस्टेस गीतिका शर्मा की मौत के मामले में हरियाणा के पूर्व मंत्री गोपाल कांडा बरी हो गए हैं। उन्हें अदालत ने आत्महत्या के लिए उकसाने वाले केस में दोषमुक्त करार दिया है। इस मामले के चलते गोपाल कांडा को मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। 2012 में गीतिका शर्मा ने आत्महत्या कर ली थी, जो कभी गोपाल कांड की ही एयरलाइन कंपनी में एयरहोस्टेस के तौर पर काम करती थीं और फिर उन्हें प्रमोट करके निदेशक बना दिया गया था।

दिल्ली फायर सर्विस परीक्षा में 'खेल', 13 उम्मीदवारों ने फर्जी तरीके अपनाए ? क्राइम ब्रांच करेगी जांच

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने कथित तौर पर फर्जी तरीके अपनाकर दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) में कम से कम 13 लोगों के चयन के संबंध में एफआईआर दर्ज की है। मामले की जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने सोमवार को बताया। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड (डीएसएसएसबी) द्वारा 20 जून को दर्ज की गई एक शिकायत की प्रारंभिक जांच के बाद 22 जुलाई को भारतीय दंड संहिता की धारा 419, 420 और 120बी के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। डीएफएस के निदेशक अतुल गर्ग ने कहा, हमें पता चला है कि कुछ उम्मीदवारों ने नौकरी सुरक्षित करने के लिए फर्जी तरीके अपनाए। डीएसएसएसबी के पास ऐसे उम्मीदवारों की सूची है और पुलिस में मामला भी दर्ज कराया

गया है। डीएफएस को इसके बारे में अवगत नहीं कराया गया है। चयनित अभ्यर्थियों का मेडिकल परीक्षण परीक्षण प्रक्रियाधीन है। डीएफएस अधिकारियों ने कहा कि विभाग ने दिल्ली सरकार के जरिए अग्निशमन विभाग में 800 फायर ऑपरेटरों की भर्ती के लिए 2018-19 में एक अधिसूचना जारी की थी। भर्ती प्रक्रिया 2019 के मध्य में शुरू हुई और 2022 के अंत तक 706 फायर ऑपरेटरों का चयन किया गया। अधिकारियों ने कहा कि चयन प्रक्रिया वर्तमान में अपने अंतिम चरण में है, क्योंकि चयनित उम्मीदवारों को अब मेडिकल परीक्षा के लिए बुलाया जा रहा है, जो डीएफएस में उम्मीदवारों को शामिल करने से पहले अंतिम परीक्षा है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि डीएसएसएसबी ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) और चयनित उम्मीदवारों के ड्राइविंग कौशल परीक्षण के दौरान ली गई बायोमेट्रिक रिपोर्ट की जांच के दौरान यह सामने आया कि कुछ उम्मीदवार परीक्षा के दौरान अनुचित साधनों, कदाचार और धोखाधड़ी, प्रतिरूपण, जालसाजी और साजिश जैसी आपराधिक गतिविधियों में शामिल थे। अधिकारी ने कहा कि सीबीटी और ड्राइविंग टेस्ट के दौरान ली गई लिखावट और बायोमेट्रिक्स के आधार पर ऐसे 13 उम्मीदवारों की पहचान की गई है,

मेघालय के मुख्यमंत्री कार्यालय पर हमला, पांच सुरक्षाकर्मी घायल

शिलांग। मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा के तुरा स्थित कार्यालय पर भीड़ ने सोमवार शाम हमला कर दिया। इस हमले में मुख्यमंत्री संगमा सुरक्षित हैं, लेकिन उनके पांच सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। हालात संभालने के लिए तुरा शहर में रात्रिकालीन कर्फ्यू लगाना पड़ा। हमले के वक्त संगमा अचिक कॉन्शियस होलिस्टिकली इंटीग्रेटेड क्रिमा और गारो हिल्स स्टेट मूवमेंट कमेटी के प्रतिनिधियों से बातचीत कर थे। दोनों संगठन के कुछ सदस्य पिछले 14 दिन से तुरा को विंटर कैपिटल बनाने की मांग करने के लिए अनशन पर हैं। मुख्यमंत्री की बातचीत करीब-

करीब पूरी हो गई थी तभी अचानक भीड़ आई और पथराव करने लगी। इससे हड़कंप मच गया। पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े। भीड़ ने मुख्यमंत्री कार्यालय का गेट तोड़ने की भी कोशिश की। मुख्यमंत्री संगमा ने हिंसा में घायल सुरक्षाकर्मियों का हालचाल जाना। संगमा ने घायल सुरक्षाकर्मियों के लिए 50 हजार रुपये की मदद और इलाज का खर्च देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा ने कहा है यह हमला दुर्भाग्यपूर्ण है। इन संगठनों के प्रतिनिधि भी नहीं जानते कि हमलावर कौन हैं। यह बाहर से आए हुए लोग थे। इनका पता लगाया जा रहा है।

मणिपुर वायरल वीडियो मामले में सातवां आरोपी गिरफ्तार, पुलिस बोली- बाकी आरोपियों की तलाश जारी

इंफाल। मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाने की वारदात के मामले में पुलिस ने सातवें आरोपी को गिरफ्तार किया है। मणिपुर पुलिस ने बताया कि आरोपी को सोमवार (24 जुलाई) शाम थोउबल से पकड़ा। 19 जुलाई को वीडियो वायरल होने के बाद पहली गिरफ्तारी 20 जुलाई को की गई थी। इन सात आरोपियों में से एक नाबालिग है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस कई इलाकों में छापेमारी कर रही है। वहीं, सोमवार देर रात मणिपुर सरकार ने असम राइफल्स से

भारत में म्यांमार नागरिकों की घुसपैठ के मुद्दे पर डिटेल रिपोर्ट मांगी है। सरकार ने असम राइफल्स से पूछा है कि कैसे सिर्फ दो दिनों (22-23 जुलाई) में 718 म्यांमार नागरिक बिना पर्याप्त दस्तावेज के भारत में घुस गए। इसमें 209 पुरुष, 208 महिलाएं और 301 बच्चे हैं।

मणिपुर में 4 मई को हुई थी पहली मौत, परिजन को अब तक शव नहीं मिला

मणिपुर ढाई महीने से हिंसा की आग में झुलस रहा है। इसमें अब तक 160 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है, जबकि 419 लोग घायल हुए हैं। मणिपुर हिंसा में पहली मौत 4 मई 2023 को हुई थी। मृतक की पहचान 21 साल के स्टूडेंट हंगलालमुआन वैफेई के रूप में हुई। उसे सीएम बीरेन सिंह के खिलाफ सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के आरोप में 4 मई को गिरफ्तार किया गया था। चुराचांदपुर में जब पुलिस उसे लेकर जेल जा रही थी, तभी रास्ते में 800 लोगों ने गाड़ी को रोक लिया। भीड़ देखकर पुलिसकर्मी भाग गए और भीड़ ने हंगलालमुआन की पीट-पीटकर हत्या कर दी। परिजन ने बताया कि पुलिस कह रही है कि वैफेई का शव इंफाल मॉर्चुरी में है, लेकिन हिंसा के बीच हम इंफाल नहीं जा सके। पुलिस से कई बार गुहार के बावजूद अब तक पुलिस ने छात्र का शव नहीं सौंपा है।

मणिपुर के थोरबुंग में कुकी-मैतेई भिड़े, रातभर चलीं गोलियां, फायरिंग में फंसा भास्कर रिपोर्टर

मणिपुर के हालात को कवर करने पहुंचे भास्कर रिपोर्टर शनिवार (22 जुलाई) को चुराचांदपुर के पास थोरबुंग में कुकी-मैतेई के बीच क्रॉस फायर में फंस गए।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा पर दोहरी मार, यमुना-हिंडन की बाढ़ से प्रभावित गांवों के सैकड़ों लोगों ने छोड़ा घर-बार; राहत शिविरों में डाला डेरा

नोएडा। नोएडा से लेकर ग्रेटर नोएडा तक यमुना और हिंडन में जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। सोमवार दोपहर तक यमुना में दो लाख और हिंडन में 28 हजार से अधिक क्यूसेक पानी बह रहा था। इस कारण कई इलाकों को खाली कराया गया। बाढ़ प्रभावित गांवों के सैकड़ों लोग राहत शिविरों में भेज दिए गए। यमुना का जलस्तर बढ़ने से एक बार फिर डूब क्षेत्र के लोगों के सामने समस्या खड़ी हो गई है। कई दिन पहले आई बाढ़ में यहां रह रहे लोगों का सारा सामान बह गया था, लेकिन सोमवार को फिर जलभराव होने से लोग बेघर हो गए। यह लोग अब सेक्टर-135 नंगली वाजिदपुर के सामुदायिक भवन से लेकर पुश्ता रोड तक फुटपाथों पर तंबू-टेंट लगाकर और राहत शिविरों में रहने को मजबूर हैं।

यमुना का जलस्तर 199.40 मीटर और हिंडन का 201.15 मीटर था। दोनों ही नदी में पानी खतरे के लाल निशान के बेहद करीब है। हिंडन और यमुना के बढ़ते जलस्तर के बीच प्रशासन ने बाढ़ प्रभावित इलाकों को खाली करना शुरू कर दिया है। यमुना से करीब 53 और हिंडन से 14 गांवों में बाढ़ का खतरा है। हिंडन ने बहलोलपुर, छिजारसी, हैबतपुर, युसूफपुर और चोटपुर कॉलोनी में प्रकोप दिखाना शुरू कर दिया। यहां से 150 से अधिक परिवार विस्थापित हो चुके हैं। घरों के बाहर पांच फुट तक पानी भरा है। गढ़ी

कलंजरी, कुलेरसा समेत किनारों पर बसे अन्य गांवों तक भी पानी पहुंचना शुरू हो गया है। प्रशासन ने फार्म हाउस और गोशालाएं खाली करा दी हैं। चूहड़पुर, मोमनाथल, वाजिदपुर, सेक्टर-161 समेत कई सेक्टर और गांवों का डूब क्षेत्र खाली कराया गया। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में आए लोगों में कई तरह की बीमारी पनपने का खतरा बढ़ गया है। अभी तक स्वास्थ्य शिविर में मिल रहे अधिकांश मरीज फंगल इंफेक्शन और बुखार के हैं। कई बुजुर्ग अपनी पुरानी बीमारी से भी पीड़ित हैं। आई फ्लू के केस भी बढ़ रहे हैं।

इन नंबरों पर संपर्क कर मदद लें

जिला प्रशासन ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों की सहूलियत और मदद के लिए दो हेल्पलाइन नंबर जारी किए है। कोई भी व्यक्ति विषम परिस्थितियों में 0121-2974274 और 9811363725 नंबर पर कॉल कर सकता है।

पहले ही सबकुछ बह गया, अब फिर बेघर हुए, पीड़ित लोगों का छलका दर्द

दरअसल, हिंडन नदी जिले के 14 गांवों से गुजरकर सेक्टर-151 मोमनाथल गांव में यमुना में मिल रही है। इससे यमुना का जलस्तर बढ़ गया है। सहारनपुर से हिंडन में लगातार पानी छोड़ा जा रहा है, जिसके फलस्वरूप यमुना में भी उफान पर है। बीते दिनों यमुना में 3.72 लाख क्यूसेक पानी होने के कारण पूरा क्षेत्र डूब गया था। पुश्ता रोड तक पांच से आठ फीट पानी भर गया। कई गोवंश की पानी में खड़े रहने के कारण मौत तक हो गई थी। ऐसे में जिला प्रशासन ने बाढ़ से निपटने के लिए डूब क्षेत्र में रविवार रात करीब दो बजे तक संघन अभियान चलाया। मुनादी के माध्यम से वहां रहने वाले लोगों को जल्द से जल्द इलाका खाली करने की चेतावनी दी।

सेना में मान बढ़ा रहे हैं झुंझुनू के जवान

कारगिल विजय दिवस

रमेश सर्राफ धमोरा

जले में इतने अधिक लोगों का सेना से जुड़ाव होने के उपरान्त भी सरकार द्वारा सैनिक परिवारों की बेहतरी व सुविधा उपलब्ध करवाने के लिये बहुत कुछ किया जाना अभी बाकी है। कारगिल युद्व के समय सरकार द्वारा घोषित पैकेज में यह बात भी शामिल थी कि हर शहीद के नाम पर उनके गांव में किसी स्कूल का नामकरण किया जायेगा मगर जिले के ऐसे कई शहीदों के नाम पर अब तक सरकार ने स्कूलों का नामकरण कई नहीं किया है।

राजस्थान में शेखावाटी क्षेत्र के झुंझुनू जिले के अमर सपूतों की इस वीर भूमि के रणबांकुरों ने जहां स्वतंत्रता पूर्व के आन्दोलनो में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया था वहीं स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद सेना द्वारा लड़ी गयी लड़ाइयों में भी इस धरती की माटी में जन्मे वीरों ने समय-समय पर अपना पराक्रम दिखाया हैं। वीरों की इस धरती ने सदियों से जन्म लेते रहे सपूतों के दिलों में देशभक्ति की भावना को प्रवाहित किया हैं। देश रक्षा के लिये सेना में शहादत देना राजस्थान की परम्परा रही है। यहां के गांवों में लोकदेवताओं की तरह पूजे जाने वाले शहीदों के स्मारक इस परम्परा के प्रतीक हैं।

झुंझुनू जिले में प्रारम्भ से ही सेना में भर्ती होने की परम्परा रही हैं तथा यहां के गांवों में घर-घर में सैनिक होता था। सेना के प्रति यहां के लगाव के कारण अंग्रेजो ने यहां एक सैनिक छावनी की स्थापना कर ह्यशेखावाटी ब्रिगेड ह्यका गठन किया था। जिले के वीर जवानो को उनके शौर्यपूर्ण कारनामों के लिये समय-समय पर भारत सरकार द्वारा विभिन्न अलंकरणों से नवाजा जाता रहा हैं। अब तक इस जिले के कुल 120 सैनिकों को वीरता पुरस्कार से नवाजा जा चुका है। जो पूरे देश में किसी एक जिले के सर्वाधिक हैं।

इस जिले के वीरों ने बहादुरी का जो इतिहास रचा है उसी का परिणाम है कि भारतीय सैन्य बल में उच्च पदों पर सम्पूर्ण राजस्थान की ओर से झुंझुनू जिले का ही वर्चस्व रहा है। वास्तव में यहां की धरती को यह वरदान सा प्राप्त होना प्रतित होता हैं कि इस पर राष्ट्रभक्ति के कीर्तिमान स्थापित करने वाले लाडेसर ही जन्म लेते हैं। चाहे 1948 का पाकिस्तानी कबायली हमला हो या 1962 में चीन से युद्व हो या 1965 व 1971 का भारत-पाक युद्ध। यहां के वीरों ने मातृभमि की रक्षा हेतू सदैव अपना जीवन बलिदान किया हैं। सेना के तीनो अंगो की आन की रक्षा के लिये यहां के नौजवान सैनिकों के उत्सर्ग को राष्ट्र कभी भुला नही सकता हैं।

इस क्षेत्र के सैनिकों ने भारतीय सेना में रहकर विभिन्न युद्धो में बहादुरी एवं शौर्य की बदौलत जो वीरता पदक प्राप्त कियें

हैं वे किसी भी एक जिले के लिये प्रतिष्ठा एवं गौरव का विषय हो सकता हैं। सीमा युद्ध के अलावा जिले के बहादुर सैनिकों ने देश मे आंतरिक शान्ति स्थापित करने में भी सदैव विशेष भूमिका निभाई हैं। सीमा संघर्ष एवं नागा होस्टीलीटीज हो या आद्परेशन ब्लूस्टार या श्रीलंका सरकार की मदद हेतु किये गये आपरेशन पवन अथवा कश्मीर में चलाया गया आतंकवादी अभियान रक्षक या कारगिल युद्व। सभी अभियान में यहां के सैनिको ने शहादत देकर जिले का मान बढ़ाया हैं।

भारतीय सेना में योगदान के लिये झुंझुनू जिले का देश में अव्वल नम्बर हैं। वर्तमान में इस जिले के 45 हजार जवान सेना में कार्यरत हैं। वहीं जिले में करीबन 62 हजार भूतपूर्व सैनिक व अर्द्वसैनिक बलों के जवान हैं। आजादी के बाद भारतीय सेना की और से राष्ट्र की सीमा की रक्षा करते हुये यहां के 457 जवान शहीद हो चुके हैं। जो पूरे देश में किसी एक जिले से सर्वाधिक है। कारगिल युद्व के दौरान पूरे देश में 527 जवान शहीद हुये थे जिनमें यहां के 22 सैनिक शहीद हुये थे जो पूरे देश में किसी एक जिले से शहादत देने वालों में सर्वाधिक जवान थे। झुंझुनू जिले से अब तक 457 से अधिक सैनिक जवान सीमा पर शहीद हो चुके हैं। यहां के जवानो ने सेना के सर्वोच्च पदों तक पहुंच कर अपनी प्रतीभा का प्रदर्शन किया है। इस जिले के चित्तोसा गांव के एडमिरल विजय सिंह शेखावत भारतीय नो सेना के अध्यक्ष रह चुकें हैं वहीं स्व. कुन्दन सिंह शेखावत थल सेना में लेफ्टिनेन्ट जनरल व भारत सरकार के रक्षा सचिव रह चुके हैं। जे.पी.नेहरा, सत्यपाल कटेवा सेना में लेफ्टिनेन्ट जनरल पद से सेवानिवृत हुये हैं। इसके अलावा यहां के काफी लोग सेना में ब्रिगेडियर, कर्नल,मेजर सहित अन्य महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत है। देश में झुंझुनू एकमात्र ऐसा जिला हैं जहां सैनिक छावनी नहीं होने के उपरान्त भी गत पचास वर्षो से अधिक समय से सेना भर्ती कार्यालय कार्यरत है। जिससे यहां के काफी युवकों को सेना में भर्ती होने का मौका मिल पाता है।

यहां के हवलदार मेजर पीरूसिंह शेखावत को 1948 के युद्व में वीरता के लिये देश का सर्वोच्च सैनिक सम्मान परमवीर चक्र से सम्मानित किया जा चुका है। परमवीर चक्र पाने वाले पीरूसिंह शेखावत देश के दूसरे व राजस्थान के पहले सैनिक थे। यहां के सैनिकों ने द्वितीय विश्व युद्व में भी बढ़चढ़ कर भाग लिया था। आज भी यहां द्वितीय विश्व युद्व के पूर्व सैनिकों की विधवाओं को सरकार से पेंशन मिल रही है।

जिले में इतने अधिक लोगों का सेना से जुड़ाव होने के उपरान्त भी सरकार द्वारा सैनिक परिवारों की बेहतरी व सुविधा उपलब्ध करवाने के लिये बहुत कुछ किया जाना अभी बाकी है। कारगिल युद्व के समय सरकार द्वारा घोषित पैकेज में यह बात भी शामिल थी कि हर शहीद के नाम पर उनके गांव में किसी स्कूल का नामकरण किया जायेगा मगर जिले के ऐसे कई शहीदों के नाम पर अब तक सरकार ने स्कूलों का नामकरण कई नहीं किया है। हाल ही में झुंझुनू में सैनिक स्कूल प्रारम्भ हो चुकी है जिसका लाभ सेना में जाने वाले यहां के युवाओं को मिलेगा। 24 साल पहले हमने करगिल तो जीत लिया था, लेकिन शहीदों के परिवारों के सामने आज भी समस्याओं के कई करगिल खड़े हैं। जिन पर जीत दर्ज करनी अभी बाकी हैं। सरकार द्वारा झुंझुनू जिले को देश का सैनिक जिला घोषित कर यहां के सैनिक परिवारों को सुविधाये उपलब्ध करवाने की तरफ पर्याप्त ध्यान देवे तो आज भी झुंझुनू क्षेत्र से अनेक पीरूसिंह पैदा होकर देश के लिये प्राण न्योछावर कर सकते हैं। झुंझुनू जिले के सैनिको की बहादुरी देखकर कवि ने अपनी रचना में भी झुंझुनू के वीरो का गुणगान इस प्रकार किया है।

शुरा निपजे झुंझुनू, लिया कफन का साथ ।
रण-भूमि का लाडला, प्राण हथेली हाथ ।।

संपादकीय

दोनों पक्ष छोड़ें हठधर्मिता

मणिपुर तीन महीने से जातीय हिंसा की आग में उबल रहा है। इस दौरान एक सौ से ज्यादा लोग मारे गए और हजारों लोग विस्थापित हो गए हैं। यह बताने की जरूरत नहीं है कि सूबे के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह की सरकार और प्रशासन की राजनीतिक साख बुरी तरह ध्वस्त हो चुकी है, लेकिन केंद्र सरकार की सुरक्षा कवच और आशीर्वाद से अपने पद पर बने हुए हैं। संसद का मानसून सत्र से ठीक एक दिन पहले सूबे के कांगपोकली जिले में दो महिलाओं को निर्वस्त्र करके सड़क पर परेड़ कराने और उनके साथ दुर्व्यवहार करने का वीड़ियो सोशल मीड़िया पर वायरल होने के बाद पूरे देश में आक्रोश फूट पड़ा। यहां यह उल्लेखनीय है कि यह घटना 4 मई की थी और इस मामले में पहली एफआईआर 18 मई को दर्ज कराई गई थी। इस घटना के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद के बाहर अपनी चुप्पी तोड़ते हुए कहा कि मणिपुर की इस घटना से मेरा हृदय पीड़ा से भरा है। किसी भी सभ्य समाज के लिए यह शर्मसार करने वाली है। बेइज्जती पूरे देश की हो रही है। सर्वोच्च अदालत के प्रधान न्यायाधीश ने जल्द कदम उठाने को कहा। मणिपुर सहित पूरे देश को उम्मीद थी कि संसद के इस मानसून सत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों जातीय हिंसा की आग में जल रहे इस सूबे की कानून-व्यवस्था को पटरी में लाने के लिए कोई संतोषजनक और सर्वमान्य हल निकालने के लिए चर्चा करेंगे। लेकिन मानसून सत्र के तीसरे दिन भी संसद हंगामे के कारण बाधित होता रहा। अब स्थापित रूप से यह परंपरा बन गई है कि विपक्ष सुचारू रूप से संसद को चलने नहीं देगा। मुद्दा चाहे जैसा भी हो, लेकिन विपक्ष को ठप करने का बहाना मिल जाता है। संसद के पिछले कई सत्र इस बात के साक्षी रहे हैं। इस मानसून सत्र में सरकार मणिपुर की घटना पर सदन में चर्चा कराने के लिए तैयार है। लेकिन विपक्ष इस मांग पर अड़ा हुआ है कि लोक सभा में मणिपुर मुद्दे पर चर्चा से पहले प्रधानमंत्री वक्तव्य दे, जबकि सरकार जोर दे रही है कि इस मुद्दे पर केंद्रीय गृहमंत्री बोलेंगे। राज्य सभा में विपक्ष ने नियम 267 के तहत चर्चा कराने का नोटिस दिया है, जबकि सत्ता पक्ष नियम 176 के तहत चर्चा कराना चाहती है। उच्च सदन में सरकार बहुमत में नहीं है, इसलिए वह नियम 267 के तहत चर्चा से बचना चाहती है। ऐसे में संसद के दोनों सदनों में गतिरोध बना हुआ है। अगर दोनों पक्ष जिद पर अड़े.रहे और समस्या का कोई सर्वमान्य हल नहीं निकला तो पूर्वोत्तर के अन्य राज्य भी हिंसा की चपेट में आ सकते हैं।

चिंतन-मनन

व्यक्तिगत चेतना का विस्तार

दूसरों के सुख-दुख का भागी बनने से हमारी व्यक्तिगत चेतना विकसित होकर विश्व चेतना बन जाती है। समय के साथ जब ज्ञान की वृद्धि होती है, तब उदासीनता संभव नहीं। तुम्हारा आंतरिक स्रोत ही आनन्द है।अपने दुःख को दूर करने का उपाय है विश्व के दुख में भागीदार होना और अपनी खुशी को बढ़ाने का उपाय है विश्व के आनन्द में सहभागी होना। जब सभी लोग इस विचार से आएंगे कि वे समाज को अपना क्या योगदान दें, तो वह दैवी समाज होगा। हम सबको अपनी व्यक्तिगत चेतना को शिक्षित और शिष्ट करना है ताकि समय के साथ ज्ञान की वृद्धि हो, परिवर्तन आए। यदि ध्यान में तुम्हें गहन अनुभव न हो रहे हों तो और सेवा करो- ध्यान में अधिक गहराई आएगी।ध्यान तुम्हारी मुस्कान वापस लाता है। कई व्यक्ति सेवा करना छोड़ देते हैं जब वे अपनी छवि, प्रतिष्ठा, सम्मान, सुविधा और आराम को लक्ष्य की प्राप्ति से अधिक महत्व देने लगते हैं। कई बार लोग सेवा से कतराने लगते हैं, जब उन्हें कोई पद नहीं मिलता या जब वे अपमानित महसूस करते हैं। जब उन्हें अपेक्षानुसार कम मिलता है या जब वे लक्ष्य की प्राप्ति को चुनौती न समझकर संघर्ष समझते हैं। इसीलिए, संसार में कुछ ही लोग लक्ष्य तक पहुंचने में कामयाब होते हैं।

जब ऐसा कुछ करना है जो तुम नहीं कर सकते, तब विश्राम नहीं कर सकते और तब भी विश्राम नहीं कर सकते जब लगता है कि तुम्हें वह बनना है जो तुम नहीं हो। ऐसा कुछ नहीं करना जो तुम नहीं कर सकते। तुमसे वह देने के लिए नहीं कहा जाएगा जो तुम नहीं दे सकते। जितना तुम कर सकते हो, केवल वही तुम्हारे हिस्से की सेवा है।यह समझ गहरा विश्राम देती है। यदि तुममें आकांक्षा या आलस्य है, तुम विश्राम नहीं कर सकते।दोनों ही गहरे विश्राम के विरुद्ध हैं। एक आलसी व्यक्ति रात भर करवटें बदलेगा, बेचैन रहेगा और एक आकांक्षी व्यक्ति अंदर ही अंदर जलेगा।गहन विश्राम तुम्हारी कलाओं और योग्यताओं को उभारता है और तुम्हें अपने स्वरूप के समीप लाता है।थोड़ा सा भी यह आभास कि ईश्वर तुम्हारे साथै है, गहरा विश्राम लाता है।प्रार्थना, प्रेम तथा ध्यान गहन विश्राम के विशिष्ट रस हैं।

मणिपुर हिंसा में राज्य सरकार की भागीदारी, होगी अपराधिक कार्यवाही?

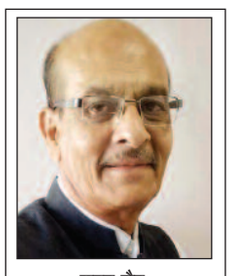

सनत जैन

मणिपुर में 3 महीने से लगातार हिंसा हो रही है। सैकड़ों नागरिक मारे जा चुके हैं। हिंसा और महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न घटनाओं की सारी दुनिया में चर्चा हो रही है। अभी भी मणिपुर की हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। हाल ही में तोरबुंग बाजार इलाके में आधुनिक हथियारों से लैस उग्रवादियों ने, 10 खाली पड़े मकानों और एक स्कूल को आग के हवाले कर दिया। मणिपुर में महिलाओं को ढाल बनाकर लगातार हिंसा की जा र?ही है। भाजपा के ही 10 विधायक लगातार मांग कर रहे हैं। कुकी बहुल जिलों में अलग प्रशासन की नियुक्ति की जाए। ताकि नागरिकों का विश्वास सरकार के प्रति बढ़े। मणिपुर की हिंसक वारदातों और यौन उत्पीड़न के वीडियो अब धीरे-धीरे करके सामने आने लगे हैं। इससे स्थिति और भी विस्फोटक होने लगी है। मणिपुर के विष्णुपुर और चुराचंदपुर के बीच लगातार 36 घंटे से फायरिंग हो रही है। सेना और पुलिस खड़े होकर वहां तमाशा देख रही है। महिलाएं हथियारों से लैस उग्रवादियों के लिए ढाल का काम कर रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अब इस मामले का संज्ञान ले लिया है। पिछले 4 दिन से लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही ठप्प पड़ी हुई है। कई देशों की संसद में मणिपुर की घटनाओं की चर्चा हो रही है। इसके बाद भी अभी तक मणिपुर में स्थिति को नियंत्रित नहीं किया जा सका है। भारत अपनी मजबूत सैन्य शक्ति के लिए दुनिया के देशों में जाना जाता है। मणिपुर जैसे छोटे से राज्य को भारत वहां की स्थितियों को नियंत्रित नहीं कर पा रहा है। इससे भारत की छवि पर भी विपरीत असर दुनिया के देशों पर पड़ रहा है। सबसे बड़े आश्चर्य की बात है, कि 3 मई को 21 साल के छात्र हंगलाल मुआन, जो पुलिस की अभिरक्षा में था। पुलिस उसे लेकर जेल जा रही थी। मेतई समुदाय की भीड़ ने रास्ते में पुलिस की गाड़ी को रोक लिया। पुलिस वाले गिरफ्तार आरोपी को भीड़ को सौंपकर वहां से भाग गए। भीड़ ने उस छात्र की पीट-पीटकर हत्या कर दी। छात्र का शव इंफाल में रखा हुआ है। उपरोक्त छात्र को मणिपुर के मुख्यमंत्री वीरेन सिंह के खिलाफ सोशल मीडिया मे पोस्ट के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। घटना को लगभग 3 महीने होने जा रहे हैं। अभी तक उसके परिजनों को उसका शव नहीं सौंपा जा सका है। पहली बार संवैधानिक पद पर विराजमान मुख्यमंत्री के खिलाफ इस बात के पर्याप्त सबूत सामने आ रहे हैं, कि उन्होंने एक समुदाय विशेष को संरक्षण दिया है। हिंसा को अनदेखा करते हुए,अपने राजनीतिक एवं निजी हितों के लिए संवैधानिक पद की जिम्मेदारी का निर्वहन नहीं किया है। पुलिस की कस्टडी में जब युवक की, भीड़ द्वारा हत्या की गई थी। उस मामले में भी ढाई महीने तक कोई कार्यवाही ना होना, हजारों नागरिकों को जान बचाने शरणार्थी शिविरों में पहुंचना, ऐसे स्पष्ट उदाहरण हैं,जिसमें शासन की लापरवाही और मिलीभगत स्पष्ट रूप से उजागर हो रही है। यही मणिपुर की अशांति का सबसे बड़ा कारण है। शासन और प्रशासन से जब नागरिकों का विश्वास उठ जाता है। उस समय स्थितियों पर नियंत्रण कर पाना बड़ा मुश्किल होता है। मणिपुर की घटनाओं से स्पष्ट है, कि शासन और प्रशासन का विश्वास जनता के बीच में बहाल करना है। तो मणिपुर का शासन और प्रशासन निष्पक्ष हाथों में आए। लोगों को भरोसा हो, कि उनकी जान-माल की रक्षा होगी। तभी जाकर मणिपुर की स्थिति को नियंत्रण में लाया जा सकता है। केंद्र सरकार ने अभी तक मणिपुर की सरकार को बर्खास्त नहीं किया है। कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार संवैधानिक पद पर रहते हुए उन्होंने अपने कर्तव्य का निर्वहन नहीं किया है। मुख्यमंत्री को पद से हटाए जाने के साथ-साथ उनके ऊपर अपराधिक कार्यवाही भी शासन और प्रशासन को करनी चाहिए। यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट के संज्ञान में है। अतः इस मामले में सुप्रीम कोर्ट क्या कार्यवाही करता है। किस तरह से मणिपुर की जनता का विश्वास, न्यायपालिका शासन और प्रशासन पर फिर से स्थापित हो। इसमें सुप्रीम कोर्ट के निर्णय की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। मुख्यमंत्री के पद पर रहते हुए वीरेन सिंह की भूमिका को लेकर अब हर स्तर पर सवाल खड़े हो रहे हैं। मणिपुर की घटना का असर,अब पूर्वोत्तर के सभी राज्यों में देखने को मिल रहा है। इसके लिए समय रहते कार्यवाही की जरूरत है। केंद्र सरकार को तत्काल मणिपुर सरकार को बर्खास्त करने की कार्यवाही करनी चाहिए।

दलबदल : जनादेश का सम्मान भी बस कहने भर के लिए रह गया

संजय सिंह

हाल के वर्षों में भारत में चुनी हुई सरकारों को दल बदल के माध्यम से गिरा देना और विपक्ष द्वारा सत्तारूढ़ दल के विधायकों को अपने साथ लाकर सत्ता को अस्थिर कर देने का एक चलन सा बन गया है।

भारत में जनादेश का कोई मतलब अब दिखाई नहीं देता। जनादेश का सम्मान भी बस कहने भर के लिए रह गया है। वर्तमान में राजनीति में आकांक्षाएं व महत्त्वाकांक्षाएं अपने चरम पर हैं और सत्ता में बने रहने की चाह दलबदल को तेजी से बढ़ा रही है। मतदाता भले ही किसी दल की विचारधारा से प्रभावित होकर किसी को वोट करे, लेकिन यह जरूरी नहीं की चयनित विधायक या सांसद उसी दल में रहे।

मतदाता जिस दल के लिए एकजुट होकर वोट करते हैं, वही दल दूसरे या तीसरे दल की तरफ हो जाते हैं। मतदाता का किसी राजनीतिक दल या नेता से व्यक्तिगत लगाव हो सकता है, किसी गठबंधन से भी मतदाता के सार्वजनिक हित जुड़े हो सकते हैं, लेकिन उस पार्टी या गठबंधन से चुना हुआ नेता उसे छोड़कर किसी और दल में जाता है तो इससे मतदाता के वोट का कोई मतलब नहीं रह जाता है। अधिकांशतः दलबदल केवल निजी स्वाथरे के कारण ही होता है। पद, पैसा या महत्त्वाकांक्षा के कारण ही दलबदल होता है, लेकिन इसमें हमारा यानी वोटर का हित कहां है? हम इसे समझना ही नहीं चाहते। दुखद है कि लोकतंत्र के इस बिगड़ते स्वरूप को बचाने के लिए कोई आगे नहीं आ रहा है।

पिछले दिनों महाराष्ट्र में जो हुआ उसने तो राजनीति में खरीद-फरोख्त की एक नई इबारत लिख दी है। विचारधारा की दृष्टि से बिल्कुल अलग गठजोड़ अब दिखाई देने लगे हैं। महाराष्ट्र की राजनीति दलबदल की बड़ी प्रयोगशाला बन गई है। वहां पिछले कुछ महीनों के राजनीतिक घटनाक्रम बताते हैं कि नैतिकता और जन हित की पैरोकारी की दुहाई देने वाले नेता सत्ता हथियाने को कैसे रंग ढंग बदलते हैं। कई राज्यों में बहुमत वाली सरकारें दल बदल के कारण अल्पमत में आई, बाद में उस दल की सरकार बनी जिसे जनता ने सरकार बनाने का जनादेश नहीं दिया था। कर्नाटक और मध्यप्रदेश में भी विधायकों के इस्तीफे दिए जाने के कारण सरकारे अल्पमत में आई।

मौजूदा दल बदल कानून विधायकों को इस्तीफा देने से नहीं रोकता है। सैद्धांतिक तौर पर भी देखा जाए तो सांसद अथवा विधायक के तौर पर निर्वाचित व्यक्ति यदि इस्तीफा देकर दूसरे दल में शामिल होता है तो वह गलत नहीं माना जा सकता। विधायकों और सांसदों के दल बदल में अब यही पैटर्न देखने को मिल रहा है, लेकिन निकायों के प्रतिनिधि दल को छोड़े बगैर ही क्रॉस वोटिंग के जरिए अपनी प्रतिष्ठा को दांव पर लगा रहे हैं। आने वाले दिनों में भारत के 5 राज्यों में चुनाव होना है जहां अक्टूबर में आचार संहिता लागू हो जाएगी। अभी से राज्यों में दलबदल की आशंका दिखाई पड़ने लगी है। दो दल मिलकर चुनाव लड़ते हैं और जीतते हैं तो सरकार बनाते वक्त धुर विरोधी दल से मिल जाते हैं।

मतदाता के पास कोई अधिकार नहीं है कि वह इसका विरोध कर सके। यकीनन यह उसके मताधिकार का अपमान होता है। नेताओं को सत्ता में हिस्सा चाहिए इसीलिए दलबदल किया जाता है, हालांकि राजनीतिक दलों की दलील होती है कि जनता की खुशहाली के लिए राज्य के विकास के लिए फैसला लिया गया। एक वक्त था जब दलबदल को राजनीति में बहुत ही हेय दृष्टि से देखा जाता था। दल बदलते तो थे मगर खुद को असली पार्टी बताने का दावा नहीं करते थे। इस दलबदल के खेल में सबसे अधिक फायदा छोटे दलों को हो रहा है, जो मोलभाव करने में सबसे अधिक फायदा उठा रहे हैं। महाराष्ट्र में पहले शिवसेना के एकनाथ शिंदे और अब राकंपा के अजित पवार इस राजनीति के अगुआ हैं।

वहीं राजनीति में अब नए तरह का प्रचलन देखने को मिल रहा है। ताकतवर दल दूसरे दलों के बीच दो फाड़ करने में माहिर हो रहे हैं। छोटे दलों में कई तरह के स्वार्थ लाभ और भय उन्हें दलबदल करने के लिए मजबूर बना रहे हैं। कहा जा रहा है कि सरकारी एजेंसियों के छापे के डर से ऐसा हो रहा है। सवाल उठता है कि आखिर नेता छापे से डरते क्यों हैं? अगर बात साफ-साफ है तो मीडिया या सीबीआई क्या बिगाड़ लेगी, लेकिन वे जानते हैं कि बात इतने भर की नहीं है। वे जानते हैं कि जांच एजेंसियों के पास इतने सारे पेच होते हैं कि उनमें उलझाया जा सकता है। कायदे से इनमें चुनाव आयोग को दखल देना चाहिए। कुछ जानकारों का कहना है कि सर्वोच्च अदालत को भी हस्तक्षेप करना चाहिए। चुनाव सुधार के मामले में शीर्ष अदालत पहले भी अहम फैसले दे चुका है। अब दलबदल कानून पर भी कोर्ट को सख्त रु ख अपनाने की जरूरत है ताकि राजनीतिक पार्टीयां इसका दुरु पयोग न कर सके। देश में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्म लगातार मुहिम चला रहा है। देश में अभी सांसद और विधायकों के दलबदल को रोकने वाला ही कानून लागू है बावजूद इसके देश में बड़ी संख्या में विधायक दलबदल करते नजर आ रहे हैं। नेताओं की विचारधारा सत्ता में बने रहने की है जिसके चलते राजनीति में शुचिता कम हो रही है। दलबदल के चलते लोकतांत्रिक मूल्यों में भारी गिरावट को देखा जा सकता है जो आने वाले समय में लोकतंत्र के लिए हानिकारक साबित होगा।

भक्ति के बावजूद फल ना मिलने की बात कहने वाले कहीं ना कहीं असत्य से जुड़े होते हैं: आचार्य संजीव बिशिष्ट

संवाददाता

धामपुर। नगर के शुभम मंडप कालागढ़ रोड धामपुर मे चल रहे सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ महोत्सव के तीसरे दिन वृंदावन से पधारे आचार्य संजीव वशिष्ठ जी महाराज ने मानव जीवन की सद उपयोगिता के लिए जप तप दान एवं श्रीमद् भागवत कथा श्रवण की नियमितता को जीवन का अंग बनाने का आवाहन किया ।इस दौरान कथा स्थल श्रद्धालुओं द्वारा सामूहिक रूप में दोनों हाथ उठाकर उच्चारित किए जा रहे राधे राधे की ध्वनि से गुंजायमान रहा इसके अतिरिक्त महाराज श्री के संगीतकारों द्वारा उच्चारित किए जा रहे भजनों से वातावरण भक्ति में बना रहा कथा का शुभारंभ सामूहिक पूजन से किया गया जिसके मुख्य यजमान नगर के समाजसेवी अशोक कुमार अग्रवाल एवं उनकी धर्मपत्नी शालिनी अग्रवाल रहे कथा वाचक संजीव वशिष्ठ जी महाराज ने कहा कि भक्ति के बावजूद फल ना मिलने की बात कहने वाले कहीं ना कहीं असत्य से जुड़े होते हैं। उन्होंने 84 लाख योनियों में भटकने के बाद प्राप्त होने वाली मनुष्य योनि की चर्चा करते कहा कि

छोटा बड़ा अपना पराया सभी की अनुभूति कलयुग में होती है ।उन्होंने सांसारिक प्राणियों से मंदिर के पुजारी की भांति अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित करने की चर्चा करते कहा कि प्रत्येक भागवत प्रेमी को प्रातः 4 बजे बिस्तर छोड़ देना चाहिए तभी हम अपने जीवन में किए गए कार्यों को सफलता दिला सकते हैं ।जो महिलाएं अपने सास-ससुर की सेवा करती हैं उन्हें ही सेवा करने वाली पुत्रवधू प्राप्त होती है उन्होंने कहा कि संतों का क्षण एवं अन्न का कण कभी भी बर्बाद नहीं करना चाहिए क्योंकि अन्न की बबार्दी भगवान विष्णु तथा महालक्ष्मी को भी पसंद नहीं है उन्होंने बचा हुआ भोजन गाय को देने वालों का आवाहन किया कि वह कभी-कभी शुद्ध भोजन भी गाय को दिया करें क्योंकि ऐसा भोजन ही वास्तव में गो ग्रास कहलाता है उन्होंने प्रत्येक सनातन परिवार में पहली रोटी गायकी और दूसरी रोटी भैरव नाथ जी के वाहन की निकाले जाने की बात भी कहीं । भगवान राम एवं भगवान कृष्ण ने भी ब्राह्मण को पूजनीय एवं वंदनीय माना है। पुत्र की कामना करने वाले सनातन परिवारों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि यदि पुत्र सुपुत्र निकल जाए तो माता-पिता को सम्मान दिलाने के साथ उन्हें लोक एवं परलोक की खुशियां एवं उपलब्धियां अर्जित करा देता है। जबकि भारत के लोग पाश्चात्य संस्कृति से प्रभावित होते दिखाइ देते हैं ।उन्होंने प्रत्येक सनातन परिवार से बच्चों को भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों से परिपूर्ण बनाने का आवाहन भी किया कथा मे आरएसएम डिग्री कॉलेज के प्रबंधक सचिव डॉ एसके राजपूत, स्योहारा निवासी संजीव तोमर ,काजल तोमर, विपिन तोमर, सपना तोमर, आदि सहित नगर के विभिन्न धार्मिक संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने अपने सहयोगियों के साथ सहभागिता की।

नियुक्तियों के साथ भर्ती प्रक्रिया में आ रहीं बाधाओं को भी दूर कर रही योगी सरकार

संवाददाता

लखनऊ । योगी सरकार न सिर्फ युवाओं को रोजगार से जोड़ रही है, बल्कि इस राह में आने वाली बाधाओं को भी दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में सरकार ने सरकारी विभागों में भर्ती प्रक्रिया के तहत अभ्यर्थियों की अर्हता के साथ समकक्ष अर्हता को लेकर आ रही समस्याओं का निवारण करते हुए इस संदर्भ में आदेश जारी किया है। आदेश में तकनीकी प्रकृति के पदों पर भर्ती के लिए स्नातक या समकक्ष अर्हता के साथ ही सामान्य स्नातक और उसके समकक्ष अर्हता को लेकर पूरी स्पष्टता प्रदान की गई है। उल्लेखनीय है कि योगी सरकार प्रदेश के युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए बड़े पैमाने पर कार्यक्रम चला रही है। 6 वर्ष मे 6 लाख से अधिक युवाओं को नौकरियां प्रदान की गई हैं, जबकि लाखों लोगों को अन्य रोजगार से जोड़ा गया है। अब तक स्वयं सीएम योगी ने 21 नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रमों में युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए हैं। अपर मुख्य सचिव डॉ देवेश चतुर्वेदी द्वारा इस संबंध में प्रदेश सरकार के सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव,सचिव, विभागाध्यक्षों, समस्त मंडलायुक्तों एवं जिलाधिकारियों को भारत में विधि द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय की स्नातक उपाधि के समकक्ष अर्हता के संबंध में सरकार के निर्णय से अवगत कराया गया है। इसमें कहा गया है कि ऐसे प्रकरणों में जहां तकनीकी प्रकृति के पद किसी विभाग की सेवा नियमावली में विद्यमान है तथा उनके लिए सामान्य स्नातक की अर्हता के स्थान पर कोई विशिष्ट अर्हता एवं उसके समकक्ष अर्हता अथवा किसी विशिष्ट शाखा व उपशाखा में स्नातक एवं उसके समकक्ष संगत नियमावली में निर्धारित की गई है, वहां विहित अर्हता के समकक्ष अर्हता का निर्धारण संबंधित विभाग द्वारा किया जाएगा। ऐसे प्रकरणों को छोडकर जिस किसी विभाग की नियमावली में अर्हता सामान्य स्नातक और उसके समकक्ष अर्हता निर्धारित की गई है, उसके लिए आदेश के अंतर्गत ये कार्यवाही सुनिश्चित की गई है... - केंद्र या किसी राज्य सरकार द्वारा विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय, डीम्ड विश्वविद्यालय अथवा संस्थान द्वारा अध्ययन की किसी भी शाखा में यदि स्नातक की उपाधि प्रदान की गई है तो इस तरह की समस्त उपाधियां स्नातक के रूप में मान्य होगी। - मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा मंत्रालय), भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त विभिन्न व्यवसायिक निकाय, संस्थानों द्वारा संचालित तकनीकी पाठयक्रमों में प्रदान की गई स्नातक स्तर की उपाधियां मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा मंत्रालय) तथा अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) द्वारा समय-समय पर निर्गत दिशा-निदेशों के अधीन स्नातक के समकक्ष मान्य किए जाएंगे। - किसी प्रकार के असमंजस की स्थिति में केंद्र सरकार, संबंधित राज्य सरकार, विनियामक निकायों से संबंधित आयोगों से जानकारी ली जा सकती है। - यह समतुल्यता केवल उत्तर प्रदेश राज्य में लोक सेवा आयोग, अधीनस्थ सेवा आयोग एवं अन्य भर्ती संस्थाओं द्वारा सेवा नियमावलियों में विहित स्नातक एवं समकक्ष अर्हता के लिए मान्य होगा। उल्लेखनीय है कि 17 सितंबर 2021 को उच्च न्यायालय, इलाहाबाद के आदेश के अनुसार, जहां कहीं भी भर्ती के नियमों में विहित अर्हता के साथ-साथ समकक्ष अर्हता का उल्लेख हो वहां चयन प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही समकक्ष अर्हता स्पष्ट रूप से निर्धारित की जाए।

जिला सचिव बनने पर पवन कुमार कश्यप का जोरदार स्वागत

संवाददाता

बिजनौर । ग्राम परमानंदपुर गामडी जनपद बिजनौर के निवासी पवन कुमार कश्यप पुत्र महेंद्र सिंह कश्यप को समाजवादी पार्टी बिजनौर कार्यकारिणी में जिला सचिव के पद पर मनोनीत किया । जिला सचिव बनने पर कश्यप समाज के लोगों ने फूल माला डालकर पवन कुमार का जोरदार स्वागत किया।

जिला बिजनौर समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष अनिल यादव द्वारा यह घोषणा की गई पवन कुमार को जिला सचिव बनने पर कश्यप समाज संगठन के जिलाध्यक्ष विजेंद्र कश्यप एवं समाज के वरिष्ठ नेताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। नवनियुक्त जिला सचिव पवन कुमार ने समस्त कश्यप समाज एवं

समाजवादी पार्टी के पदाधिकारियों एवं जिला नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। और कहा कि जनपद बिजनौर में कश्यप समाज के लिए सदा संघर्ष करने वाले बड़े भाई बीके कश्यप एडवोकेट अध्यक्ष कश्यप संघर्ष समिति और जिला अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग का समाज के प्रति हमेशा से संघर्ष रहा है ।आज उन्हीं की देन है कि समाजवादी पार्टी में कश्यप समाज के लोगों को इतना सम्मान मिल रहा है। इससे पहले भी बीके कश्यप एडवोकेट के द्वारा जिला नेतृत्व के सहयोग से कश्यप समाज के लोगों को समाजवादी पार्टी में सम्मान दिया गया ।

इस अवसर पर कश्यप संघर्ष समिति के अध्यक्ष बीके कश्यप एडवोकेट ने कहा कि समाज की लड़ाई को लड़ने के लिए समाज का नेतृत्व पढ़े लिखे नौजवान साथी करें तभी समाज का भला हो सकता है।ओर बीके कश्यप ने पवन कश्यप अमित कश्यप को जिला सचिव बनने की बधाई दी और प्रदेश में समाजवादी पार्टी पिछड़ा वर्ग के प्रदेश अध्यक्ष सभापति सदस्य विधान परिषद डॉक्टर राजपाल कश्यप जी का आभार व्यक्त किया ।स्वागत कार्यक्रम में कश्यप समाज संगठन के जिला अध्यक्ष विजेंद्र कश्यप, अरुण कश्यप ,वरिष्ठ समाजसेवी कुलदीप कश्यप, रविंद्र कश्यप गौरव कश्यप ,नीरज कश्यप, राहुल कश्यप ,विनोद कश्यप ,राजेंद्र कश्यप, रोहित कश्यप ,शुभम कश्यप ,आदि गणमान्य लोगों ने माला पढ़कर पवन कश्यप का स्वागत किया।

ब्लाक प्रमुख ने की दुकानदारों के साथ बैठक

संवाददाता

धामपुर। विकासखंड अल्हैपुर धामपुर में एक बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में धामपुर ब्लाक प्रमुख क्षमा हेमलता चौहान उपस्थित रही।ब्लाक प्रमुख क्षमा हेमलता चौहान ने बताया कि शासन द्वारा निर्देशित विकासखंड अल्हैपुर की समस्त ग्राम पंचायतों को पर्यावरण के दृष्टिगत पॉलिथीन मुक्त करने हेतु ग्राम पंचायत अल्हैपुर के दुकानदारों के साथ बैठक की गई ।बैठक में ब्लाक प्रमुख क्षमा हेमलता चौहान ने पॉलिथीन के प्रयोग से होने वाले नुकसान को सभी दुकानदारों के सामने विस्तार से बताया बैठक में दुकानदारों से अपील की गई है ।कि ग्राहकों को

दिए जाने वाले सामान को पॉलिथीन में ना देकर कपड़े के बने थैले या कागज से बनी थैली में दिया जाए। या ग्राहकों को स्वयं का कपड़े का या कागज का थैला सम्मान के लिए लाने के लिए प्रेरित किया जाए और पॉलिथीन के प्रयोग को पूर्णता बंद किया जाए । क्योंकि पॉलिथीन से हमारे पर्यावरण को बहुत नुकसान हो रहा है। जो आने वाले समय में बहुत घातक रूप लेगा बैठक में विकास खंड एनआरएलएम के अंतर्गत संचालित स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित कपड़े के थैलों का नमूना भी दुकानदारों को दिखाया गया ।तथा ब्लाक प्रमुख द्वारा बताया गया कि इन थैलों के प्रयोग से स्वयं सहायता समूह की गरीब महिलाओं को रोजगार का अवसर भी प्राप्त होगा तथा पर्यावरण को पॉलिथीन मुक्त किया जाएगा। दुकानदारों द्वारा विकासखंड स्तर से ग्राम पंचायतों को पॉलिथीन मुक्त करने की मुहिम में सहयोग करने का आश्वासन दिया ।बैठक में ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि नीरज प्रताप सिंह, खंड विकास अधिकारी तिलोकचंद, ग्राम पंचायत सचिव नीरज कुमार, विकास कुमार, खेम सिंह ,हिमांशु चौहान, दुकानदार योगेश शर्मा ,नफीस अहमद, संदीप शर्मा, अनिल कुमार, रोहित कुमार, चमन कुमार ,दिनेश कुमार ,आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त डायरी

मुख्यमंत्री ने बाढ़ के दृष्टिगत अधिकारियों को पूरी सतर्कता बरतने के निर्देश दिये

संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने बाढ़ के दृष्टिगत अधिकारियों को पूरी सतर्कता बरतने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा है कि मौसम विभाग द्वारा राज्य में मानसून के पुनः सक्रिय होने की जानकारी दी गयी है। सीमावर्ती राज्यों द्वारा बैराजों से पानी छोड़े जाने के कारण प्रदेश की विभिन्न नदियों के जलस्तर में वृद्धि हुई है। ऐसे में राज्य के विभिन्न जनपदों में सम्भावित बाढ़ के दृष्टिगत राहत और बचाव के व्यापक प्रबन्ध किये जाएं। यह जानकारी आज यहां देते हुए एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में आमजन को तत्काल मदद पहुंचाई जाए। राहत पैकेट के वितरण में देरी न हो। राहत शिविरों में प्रकाश आदि का पर्याप्त प्रबन्ध होना चाहिए। आपदा कण्ट्रोल रूम को चौबीस घण्टे क्रियाशील रखा जाए। समस्त अतिसंवेदनशील तटबन्धों पर प्रभारी अधिकारी, सहायक अभियन्ता स्तर के नामित किए जा चुके हैं, यह चौबीस घण्टे अलर्ट मोड में रहें। लगातार पेट्रोलिंग करके तटबन्धों का निरीक्षण एवं सतत निगरानी की जाए। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में विभिन्न जलजनित/मच्छर जनित बीमारियों के प्रसार की आशंका होती है। साथ ही, सर्पदंश की घटनाएं बढ़ने की भी सम्भावना रहती है। ऐसे में राहत शिविरों के समीप स्वास्थ्य शिविर संचालित किये जाएं। यहां एण्टी वेनम इंजेक्शन की उपलब्धता जरूर रहे। आशा कार्यकर्त्री/ए0एन0एम0 द्वारा ओ0आर0एस0 पैकेट का वितरण किया जाए। महिलाओं/किशोरियों को डिगनिटी किट वितरित की जाए। सभी जिलों में राजस्व और कृषि विभाग की टीम गहन सर्वेक्षण करते हुए नुकसान का आकलन करे, ताकि किसानों को क्षतिपूर्ति की जा सके। उन्होंने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पशुधन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि इन क्षेत्रों में पशुचारे का पर्याप्त प्रबन्ध किया जाए। सभी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य हेतु आवश्यकतानुसार एन0डी0आर0एफ0, एस0डी0आर0एफ0/पी0ए0सी0 तथा गोताखोर टीमों की तैनाती की जाए। नदियों के जलस्तर की सतत निगरानी की जाए। मौसम सम्बन्धी पूर्व चेतावनी का अलर्ट सिस्टम द्वारा प्रचार-प्रसार किया जाए। प्रदेश में बाढ़ की आशंका को देखते हुए 2,288 बाढ़ चौकियां तथा 2,073 शरणालय चिन्हित किये गये हैं। राहत व बचाव कार्यों के लिए 8,192 नावें चिन्हित की गयी हैं। प्रदेश के विभिन्न जनपदों में 953 स्वास्थ्य शिविर तथा 1,044 स्वच्छता टीमें बनायी गयी हैं। 48,25,751 पशुओं का टीकाकरण किया जा चुका है।

बीवी की मौत के बाद पति की लव स्टोरी: झांसी में पिता बोले-बेटी को नशीली दवाएं दे रहा था दामाद

झांसी । एक महिला की मौत के 5 दिन बाद उसके पति की लव स्टोरी सामने आई है। चूंकि पति के एक युवती से प्रेम संबंध थे। इसके बारे में उसकी पत्नी को भनक लग गई थी। विरोध करने पर वह पत्नी को नशीली दवाएं देकर अपनी गर्लफ्रेंड से बात किया करता था। ऐसे आरोप महिला के पिता ने लगाए हैं। दरअसल बिना पोस्टमॉर्टम किए ही शव को दफना दिया गया था। अब पिता ने डीआईजी से कब्र से शव निकलवाकर पोस्टमॉर्टम करवाने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई कर न्याय दिलाने की गुहार लगाई है। गुरसराय के मोहल्ला पायगा निवासी अनीस मुहम्मद ने डीआईजी से मुलाकात कर उनको एक शिकायत पत्र सौंपा। इसमें बताया कि बेटी सफीना बानो (30) का निकाह 2013 में कस्बा के मोहल्ला शहीदगंज निवासी एक युवक से हुआ था। दो साल पहले पता चला कि दामाद के एक युवती से अवैध संबंध है। जब सफीना विरोध करती थी तो दामाद उसके साथ मारपीट कर प्रताड़ित करने लगा। उसे नशीली दवाएं खिलाने लगा। इसके बाद सफीना की तबीयत खराब रहने लगी। पिता ने बताया कि बेटी सफीना की तबीयत ज्यादा बिगड़ने पर उसे मेडिकल कॉलेज में एडमिट करवाया। जहां इलाज के दौरान 19 जुलाई को उसकी मौत हो गई। मौत होने पर डॉक्टरों से शव का पोस्टमॉर्टम कराने को कहा, तो उन्होंने इसकी सूचना गुरसराय पुलिस को देने के लिए कहा। गुरसराय थाना पहुंचे तो पुलिसवालों ने घटना नवाबाद थाना क्षेत्र की बताकर वहां पर जाकर शिकायत करने के लिए कह दिया। वह दोनों थानों के बीच में भटकता रहा और तब तक ससुरालजनों ने बेटी के शव को दफना दिया। पिता ने बताया कि बेटी की मौत के बाद दामाद प्रेमिका से निकाह करने की तैयारी करने लगा। पता चला कि वे अगले माह अपनी प्रेमिका से शादी करने की योजना बना रहे हैं। पिता ने बताया कि जब बेटी भर्ती थी, तब उनके हाथ में दामाद का मोबाइल लग गया। जिसका कॉल डिटेल निकाले जाने पर सारी तस्वीर साफ हो जाएगी। आरोप है कि बेटी की मौत दामाद की मारपीट और नशीली दवाओं के सेवन से हुई है।

मुख्यमंत्री ने वाराणसी नगर निगम के कार्यों की समीक्षा की

● वाराणसी नगर निगम म्युनिसिपल बॉण्ड जारी करने की दिशा में कार्य करेः मुख्यमंत्री ● काशी के विकास के लिए धन की कोई कमी नहीं है, पूरी प्रतिबद्धता के साथ विकास कार्य किये जा रहे ● प्रधानमंत्री जी की अपेक्षा के अनुसार काशी की सुन्दरता को स्थाई बनाया जाए ● काशी में स्वच्छता सम्बन्धित कार्य शीर्ष प्राथमिकता में, प्लास्टिक एवं उसके उत्पादों को पूरी तरह प्रतिबन्धित किया जाए ● महापौर व पार्षदगण नागरिकों के साथ बैठें, उनकी समस्याओं को सुनें, जनता की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करें ● नगर निगम आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ें ● स्वच्छ पेयजल आपूर्ति हेतु अमृत योजना के अन्तर्गत कराये जा रहे कार्यों को युद्ध स्तर पर अभियान चलाकर समय सीमा में पूर्ण किया जाए ● सेफ सिटी की दिशा में पुलिस, विकास प्राधिकरण, बैंकर्स, निजी संस्थाएं तथा उद्यमियों के साथ बैठक कर सी0सी0टी0वी0 कैमरे लगाए जाएं ● वाराणसी नगर निगम भवन को मल्टी परपज बनाया जाए ● शहर में पार्कों के रखरखाव की व्यवस्था स्थानीय नागरिकों को सौंपी जाए, शहर में डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड लगाये जाएं

● प्रदेश सरकार ने 5.50 करोड़ लोगों को गरीबी से मुक्त कराकर मुख्यधारा में शामिल किया ● मुख्यमंत्री ने श्री काल भैरव एवं श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन पूजन किया ● कांची कामकोटि पीठ के पीठाधीश्वर जगद्गुरु श्री शंकर विजयेन्द्र सरस्वती जी महाराज से भेंट कर उनका कुशलक्षेम प्राप्त किया

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज जनपद वाराणसी के सर्किट हाउस सभागार में वाराणसी नगर निगम के कार्यों की समीक्षा की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने कहा कि काशी में स्वच्छता सम्बन्धित कार्य शीर्ष प्राथमिकता में है। वाराणसी नगर निगम म्युनिसिपल बॉण्ड जारी करने की दिशा में कार्य करे। काशी में आने वाले पर्यटकों/श्रद्धालुओं की सुविधा के दृष्टिगत पुलिस व नगर निगम अच्छी यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करें। टूरिस्ट पुलिस की काउंसलिंग की जाए। श्रद्धालुओं/पर्यटक यहां से अच्छे संदेश के साथ अपने स्थानों को जाएं। प्रधानमंत्री जी की अपेक्षा के अनुसार काशी की सुन्दरता को स्थाई बनाया जाए तथा स्वच्छता रैंकिंग में काशी अग्रणी आए। काशी के विकास के लिए धन की कोई कमी नहीं है, पूरी प्रतिबद्धता के साथ विकास कार्य किये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री जी ने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि नगर में प्लास्टिक एवं उसके उत्पादों को पूरी तरह प्रतिबन्धित किया जाए। इसमें जन जागरूकता के साथ ही आवश्यकतानुसार प्रवर्तन की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। शहर में सड़कों एवं गलियों की नियमित साफ-सफाई की जाए तथा कूड़े को तत्काल उठाया जाए। खाली पड़े प्लाटों में कूड़े की डंपिंग न होने पाए। साथ ही खाली पड़े प्लाटों की सफाई भी सुनिश्चित कराई जाए। कूड़ा प्रबन्धन के कार्य को प्राथमिकता पर किया जाए। श्रावण मास के पश्चात स्वच्छता जागरूकता के लिये महानगर स्तर पर बड़ी रैली करायी जाए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि महापौर व पार्षदगण नागरिकों के साथ बैठें, उनकी समस्याओं को सुनें और जनता की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करें। महापौर व पार्षदगण वाराणसी महानगर के विकास के नींव के पत्थर हैं। जन सहभागिता से शहर के पार्कों और शहर की सड़कों के दोनों तरफ खाली पड़े स्थानों पर पौधरोपण किया जाए। काशी में प्रवेश करने वाले मुख्य मार्गों पर सजावटी फूलों वाले पौधों लगाये जाएं। शहर में सिटी फॉरेस्ट विकसित किया जाए। शहर में पार्कों के रखरखाव की व्यवस्था स्थानीय नागरिकों को सौंपी जाए। इससे लोगों की जन सहभागिता सुनिश्चित होगी और पार्कों का सही ढंग से रखरखाव भी होगा। कहीं भी सीवर एवं जलजमाव की समस्या न हो। स्वच्छ पेयजल आपूर्ति हेतु अमृत योजना के अन्तर्गत कराये जा रहे कार्यों को युद्ध स्तर पर अभियान चलाकर समय सीमा में पूर्ण किया जाए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि शहर के विकास के लिए नवीन तकनीकी का इस्तेमाल किया जाए। शहर की सुंदरता के लिए शहर से

अनधिकृत होर्डिंग्स हटायी जाएं तथा डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड लगाये जाएं, जिससे नगर निगम की आय में भी बढ़ोत्तरी होगी। सेफ सिटी की दिशा में पुलिस, विकास प्राधिकरण, बैंकर्स, निजी संस्थाएं तथा उद्यमियों के साथ बैठक कर सी0सी0टी0वी0 कैमरे लगाए जाएं। इससे शहर की सुरक्षा बढ़ेगी अपराध पर अंकुश लगेगा। शहर की यातायात व्यवस्था को और बेहतर किया जाए। आगामी 100 वर्षों की आवश्यकता के दृष्टिगत वाराणसी नगर निगम भवन को मल्टी परपज बनाया जाए। हेरिटेज पोलों में विद्युत प्रवाह कतई न हो, इसके लिए शीघ्र प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित कराई जाए। प्रदेश में विद्युत की कोई कमी नहीं है। वाराणसी में निर्बाध विद्युत आपूर्ति प्रत्येक दशा में सुनिश्चित हो। इसमें लापरवाह अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाए। मुख्यमंत्री जी ने नगर निगम व विकास प्राधिकरण को नई रणनीति व समग्र दृष्टि के साथ विकास कार्यों को आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। विकास कार्यों में निजी क्षेत्र का भी सहयोग लिया जाए। वाराणसी महानगर क्षेत्र में पुरानी जर्जर दुकानों की जगह नए कॉम्पलेक्स बनाए जाएं। हाउसिंग क्षेत्र में इस प्रकार बदलाव किया जाए जिससे मलिन बस्तियों में रह रहे लोगों का जीवन स्तर ऊंचा उठ सके। रिफॉर्म से मार्केट बढ़ता है तथा विकास की नई गाथा लिखी जाती है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी संसद में विश्व की सबसे पुरानी नगरी काशी का प्रतिनिधित्व करते हैं। विगत 09 वर्षों में जनपद वाराणसी में विकास की एक नई गाथा लिखी गई है। प्रदेश सरकार ने 5.50 करोड़ लोगों को गरीबी से मुक्त कराकर मुख्यधारा में शामिल किया है। उन्होंने विगत जी-20 कार्यक्रम के दौरान की गयी तैयारियों की प्रशंसा की। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश रेवेन्यू सर प्लस स्टेट है। विकास कार्यों के लिए यहां धन की कोई कमी नहीं है। वाराणसी नगर निगम का इस वित्तीय वर्ष में 837 करोड़ रुपये का बजट है। नगर निगम आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढे। उन्होंने सम्भावनाओं को तलाश कर बजट को 2500 करोड़ रुपये किए जाने की बात कही। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि वित्तीय वर्ष 2016-17 में एक्ससाइज से 12 हजार करोड़ रुपये की एक्साइज ड्यूटी मिलती थी, जो वर्तमान में बढ़कर 52 हजार करोड़ रुपये हो चुकी है। वर्ष 2016-17 में प्रदेश सरकार का बजट 03 लाख करोड़ रुपये था, जो वर्तमान में बढ़कर लगभग 07 लाख करोड़ रुपये हो गया है। तत्पश्चात मुख्यमंत्री जी ने श्री काल भैरव एवं श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन पूजन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अत्यधिक गर्मी के दृष्टिगत मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के लिए शुद्ध पेयजल की व्यवस्था के साथ ही पंखा-कूलर आदि की व्यवस्था भी सुनिश्चित कराई जाए। मुख्यमंत्री जी ने कांची कामकोटि पीठ के पीठाधीश्वर जगद्गुरु परम पूज्यश्री श्री शंकर विजयेन्द्र सरस्वती जी महाराज से भेंट कर उनका कुशलक्षेम प्राप्त किया। इस अवसर पर स्टाम्प तथा न्यायालय शुल्क एवं पंजीयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री रवीन्द्र जायसवाल, आयुष एवं खाद्य सुरक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दयाशंकर मिश्र दयालु, महापौर श्री अशोक तिवारी सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं पार्षदगण उपस्थित थे।

हृदय के स्वास्थ्य के लिए ' फिश टैंक मॉडल '

नई दिल्ली। असाध्य रोगों का नए-नए प्रयोग से उपचार करने वाले डॉ बिस्वरूप रॉय चौधरी (बीआरसी) ने हृदय रोग के उपचार पर रविवार को यहां हृदय-स्वास्थ्य पर अपनी पुस्तक ' फिश टैंक मॉडल फॉर हार्ट केयर' जारी की। उन्होंने इस अवसर पर मीडिया को बताया कि इस पुस्तक में उनके सफल दृष्टिकोण के के सबूतों और कार्यप्रणालियों का विस्तृत दस्तावेजीकरण किया गया है। उन्होंने कहा कि इससे दुनिया भर में रोगियों के जीवन में सुधार हो रहा है।

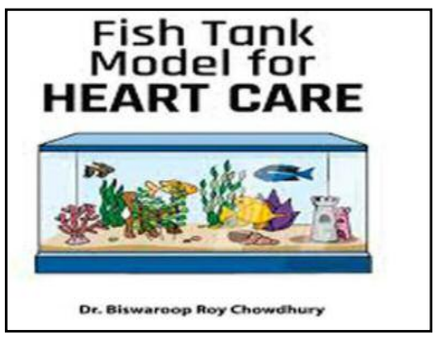

डॉ चौधरी ने कहा कि वह असाध्यता रोग की धारणा को चुनौती देते हैं और उनके पास इस बात का प्रमाण है कि सही ज्ञान एवं पद्धतियों के कारण असाध्य कही जाने वाली बीमारियों पर विजय प्राप्त की जा सकती है । उन्होंने कहा कि जीआरएडी प्रणाली के साथ ' फिश टैंक मॉडल' ने चिकित्सा उपचार के क्षेत्र में नये मार्ग खोले हैं इन पद्धतियों से किडनी, लिवर, हृदय और अन्य असाध्य बीमारियों का उपचार संभव है। डॉ चौधरी ने सरकार से आयुष चिकित्सा को भी स्वास्थ्य बीमा कवर में लाने की गुजारिश की।

लाल डायरी से गहलोत सरकार में घबराहट क्यो: शेखावत

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राजस्थान में कांग्रेस की अशोक गहलोत सरकार के बर्खास्त मंत्री राजेन्द्र गुढ़ा द्वारा विधानसभा में लायी गयी 'लाल डायरी' को लेकर तीखे तंज कसे और पूछा कि अगर गहलोत सरकार गलत नहीं हैं तो इतना घबरा क्यों रही है। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने आज यहां पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में सवाल किया, 'लाल डायरी' क्या है और इसे लेकर राजस्थान की कांग्रेस सरकार में इतनी घबराहट क्यों?'

ग़रीबों को भी मिलेगा आरओ का स्वच्छ जल : केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि उनकी सरकार राजधानी में हर घर तक साफ-स्वच्छ जल पहुंचाने के लिए विभिन्न स्तरों पर मिशन मोड में काम कर रही है और इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए जगह-जगह आरओ एटीएम भी लगाए जा रहे हैं।

श्री केजरीवाल ने सोमवार को यहाँ मायापुरी फेस दो के खजान बस्ती में आरओ एटीएम का शुभारंभ करने के बाद कहा कि दिल्ली के हर घर तक साफ-स्वच्छ पानी पहुंचाने के मिशन में हम वॉटर-एटीएम जैसा अनूठा प्रयोग भी कर रहे हैं। जहां-जहां हमें टैंकर से पानी देना पड़ता है, वहां हम वॉटर-एटीएम शुरू करेंगे। अमीर लोगों की तरह अब दिल्ली के गरीब लोग भी आरओ का साफ पानी पिया करेंगे। दिल्ली में पायलट प्रोजेक्ट के तहत खजान बस्ती के अलावा शकुरबस्ती, कालका और झरोदा में आरओ प्लांट शुरू हो चुके हैं। आने वाले दिनों में इस तरह के करीब 500 आरओ प्लांट लगाए जाएंगे। हर व्यक्ति को वॉटर एटीएम कार्ड दिया जाएगा, जिसकी मदद से वो प्रतिदिन 20 लीटर फ्री पानी ले सकेगा।

उन्होंने कहा कि दिल्ली में कई इलाके ऐसे हैं, जहां बहुत ज्यादा घनी आबादी है। कई इलाकों में टैंकर से नियमित रूप से पानी की आपूर्ति की जाती है। कई कारणों की वजह से ऐसे इलाकों में पानी की पाइप लाइन नहीं डाली जा सकती।

बॉम्बे, आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश नियुक्ति

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी द्रौपदी मुर्मू ने बॉम्बे और आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों नियुक्ति की है।

केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने ट्विटर पर यह जानकारी साझा की। श्री मेघवाल के अनुसार, इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति देवेन्द्र कुमार उपाध्याय को पदोन्नत कर बॉम्बे उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार बॉम्बे उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति धीरज सिंह ठाकुर को पदोन्नति कर आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्ति किया गया है। दोनों न्यायाधीशों को मुख्य न्यायाधीश बनाने के लिए उच्चतम न्यायालय की कॉलेजियम ने 05 जुलाई को सिफारिश की थी।

जोशी के नेतृत्व में राजस्थान के भाजपा सांसदों का दिल्ली में विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली। राजस्थान के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रदेशाध्यक्ष सी पी जोशी के नेतृत्व में आज राज्य में बढ़ते महिला अपराध और बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर प्रदेश के भाजपा सांसदों ने सोमवार को संसद भवन परिसर स्थित गांधी प्रतिमा के सामने विरोध प्रदर्शन किया। इस अवसर पर श्री जोशी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि राजस्थान में मीरा, पन्ना, कालीबाई और अमृता देवी जैसी महान नारियों का गौरवशाली इतिहास रहा है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि लेकिन प्रदेश की गहलोत सरकार ने पिछले साढे चार सालों में सिर्फ राजस्थान को कलंकित करने वाले ही काम किए है। राजस्थान में चाहे करौली हो, बालोतरा हो, खाजूवाला हो हर जगह महिलाओं बच्चियों के साथ दुष्कर्म कर उनकी हत्या, जलाने और कुएं में फेंकने जैसी हृदय विदारक घटनाएं हो रही है। लगातार बढ़ती इस प्रकार की घटनाओं के कारण राजस्थान दुष्कर्म के मामलों में देश में नम्बर वन पर पहुंच गया है।

जी20:आपदा प्रबंधन में अंतरराष्ट्रीय तालमेल की जरूरत पर भारत का बल

नई दिल्ली। भारत ने चेन्नई में आपदा प्रबंधन विषय से जुड़ी जी20 की बैठक में चक्रवाती तूफान, दावानल और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं से निपटने में खंडित प्रयासों की जगह राष्ट्रीय और वैश्विक प्रयासों में तालमेल की आवश्यकता तथा प्रभाव कम करने के लिए वित्तीय सहयोग के नए तरीके निकालने पर जोर दिया। भारत ने आपदा प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्वास और पुनर्निर्माण के लिए वित्तीय प्रबंध की अपनी नीति में आमूलचूल बदलाव की भी जानकारी दी। प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव प्रमोद कुमार मिश्रा ने जी20 आपदा जोखिम न्यूनीकरण कार्य समूह की तीसरी बैठक को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन से संबंधित आपदाओं के प्रभाव बहुत बड़े और प्रकृति में परस्पर जुड़े हुए हैं और ये प्रभाव हमारे दरवाजे पर दस्तक दे रहे हैं। उन्होंने दुनिया के सामने आने वाली चुनौतियों और पूरी धरती पर सभी को प्रभावित करने वाले जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को ध्यान में रखते हुए 'जी20 आपदा जोखिम न्यूनीकरण कार्य समूह के महत्व को रेखांकित किया।'इसी संदर्भ में उन्होंने पूरे उत्तरी गोलार्ध में भीषण गर्मी और लू, कनाडा में जंगल की आग से उत्तरी अमेरिका के विभिन्न हिस्सों में धुंध और भारत के पूर्वी और पश्चिमी तटों पर प्रमुख चक्रवाती तूफान का उदाहरण दिया। श्री मिश्रा ने कहा कि दुनिया के सामने जिस तरह बड़े पैमाने की समस्याएं उभर रही हैं उसी तरह उनका सामाना करने के लिए हमारी महत्वाकांक्षाओं का भी मेल होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस मामले में धीमी प्रगति का समय अब बीत चुका है, अब जोखिमों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए स्थानीय, राष्ट्रीय और वैश्विक प्रणालियों के कायाकल्प करने का समय है। उन्होंने इसी संदर्भ में सामूहिक प्रयासों का प्रभाव को यथा संभव बढ़ाने के लिए आपातकालीन राष्ट्रीय और वैश्विक प्रयासों तालमेल की आवश्यकता पर बल दिया।श्री मिश्रा ने कहा कि इस मामले में संकीर्ण संस्थागत दृष्टिकोण से प्रेरित खंडित प्रयासों के बजाय समस्या के निराकरण वाले दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। उन्होंने संयुक्त राष्ट 'सभी के लिए प्रारंभिक चेतावनी' की महासचिव की पहल की सराहना की और बताया कि जी20 ने 'प्रारंभिक चेतावनी और प्रारंभिक कार्रवाई' को अपनी पांच प्राथमिकताओं में रखने का प्रस्ताव किया है। श्री मिश्रा ने आपदा जोखिम कम से कम करने के लिए वित्तपोषण के क्षेत्र में सभी स्तरों पर व्यवस्था मजबूत करने का जोर दिया। प्रधान सचिव ने कहा कि आपदा जोखिम कम करने के लिए भारत में पिछले कुछ वर्षों में वित्तपोषण की व्यवस्था को पूरी तरह से बदल दिया गया है और न केवल आपदा प्रतिक्रिया बल्कि आपदा शमन, तैयारी और पुनर्प्राप्ति के वित्तपोषण के लिए एक पूर्वानुमानित तंत्र मौजूद है। प्रमुख सचिव ने पूछा,'क्या हम वैश्विक स्तर पर भी ऐसी ही व्यवस्था कर सकते हैं?' उन्होंने कहा कि जलवायु वित्त को आपदा जोखिम में कमी के वित्तपोषण का एक अभिन्न अंग होना चाहिए। प्रमुख सचिव ने आपदा जोखिम न्यूनीकरण आवश्यकताओं के लिए निजी वित्त जुटाने की चुनौती पर भी ध्यान दिए जाने पर जोर दिया। उन्होंने यह सवाल भी उठाया कि, ÷सरकारों को आपदा जोखिम न्यूनीकरण में निजी वित्त को आकर्षित करने के लिए किस प्रकार का सक्षम वातावरण बनाना चाहिए?÷ उन्होंने कहा कि यह विचार भी होना चाहिए कि आपदा जोखिम कम करने के उपायों में निजी निवेश न केवल कंपनी जगत की सामाजिक जिम्मेदारी की एक अभिव्यक्ति है बल्कि यह फर्मों के मुख्य व्यवसाय का हिस्सा भी है? भारत की जी20 की अध्यक्षता में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी बैठकों के तहत इस विषय पर समूह की इस बैठक में प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव ने इस साल मार्च में गांधीनगर में पहली बार हुई बैठक के बाद हुई प्रगति की जानकारी भी दी। बैठक में संयुक्त राष्ट महासचिव की विशेष प्रतिनिधि ममी मिजुटोरी, भारत के जी20 के शेरपा अमिताभ कांत तथा जी20 के सदस्यों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय संगठनों के अधिकारी; कार्य समूह के अध्यक्ष कमल किशोर, भारत के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान और गृह मंत्रालय के अधिकारी उपस्थित थे।

रामनवमी हिंसा:पश्चिम बंगाल सरकार की अपील सुप्रीम कोर्ट ने की खारिज

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने रामनवमी पर हुई हिंसक घटनाओं से संबंधित छह प्राथमिकी को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को स्थानांतरित करने के कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली पश्चिम बंगाल सरकार की विशेष अनुमति याचिका खारिज कर दी। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से केंद्र सरकार की अधिसूचना को चुनौती नहीं दी गई है। इसलिए हम राज्य सरकार की विशेष अनुमति याचिका पर विचार नहीं कर रहे हैं।पीठ ने कहा कि केंद्र सरकार ने एनआईए जांच का निर्देश देने के लिए अधिसूचना जारी की है, जिसे राज्य सरकार ने चुनौती नहीं दी है।कलकत्ता उच्च न्यायालय ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता सुवेंदु अधिकारी की ओर से दायर याचिका पर इस साल हावड़ा और अन्य स्थानों पर रामनवमी के दौरान हुई हिंसा के मामले में छह प्राथमिकियों को एनआईए को स्थानांतरित करने का आदेश 27 अप्रैल 2023 को दिया था।

पीठ ने कहा कि राज्य पुलिस द्वारा छह प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। ये प्राथमिकी 30 मार्च से अप्रैल 2023 के पहले सप्ताह के दौरान दर्ज की गईं। एनआईए द्वारा की जाने वाली जांच की सटीक रूपरेखा का इस स्तर पर अनुमान नहीं लगाया जा सकता है।शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि केंद्र ने एनआईए अधिनियम के तहत इस मुद्दे पर स्वत- संज्ञान लेते हुए एक अधिसूचना जारी की थी और उच्च न्यायालय के आदेश के बाद एनआईए द्वारा छह एफआईआर दर्ज की गईं।पश्चिम बंगाल पुलिस की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि इस मामले में उच्च न्यायालय का आदेश राज्य पुलिस का मनोबल गिराने वाला साबित होगा। उन्होंने दावा किया कि छह प्राथमिकी राज्य में अलग-अलग तारीखों और अलग-अलग स्थानों पर हुई विभिन्न घटनाओं के संबंध में दर्ज की गई थीं।अधिवक्ता शंकरनारायणन ने जोर देकर कहा कि बम या विस्फोटकों के इस्तेमाल का कोई सबूत नहीं मिला था। इसलिए प्राथमिकी दर्ज करते समय विस्फोटक पदार्थ अधिनियम लागू नहीं किया गया। उन्होंने दावा किया कि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस द्वारा इस्तेमाल किए गए स्मोक ग्रेनेड और आंसू गैस ग्रेनेड को विस्फोटक के रूप में पेश किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि कोई छर्रे या गड्ढे नहीं पाए गए। उन्होंने यह भी दावा किया कि रैली आयोजकों ने पुलिस द्वारा अनुमोदित मार्ग बदल दिया और हिंसा भड़काई।

मणिपुर की घटना पर देश की संसद से सड़क तक लोगों में आक्रोश :आप

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के दिल्ली संयोजक गोपाल राय ने बताया कि मणिपुर पिछले तीन महीनों से हिंसा और वहशीपन की आग में दहक रहा है जिसको लेकर देश की संसद से लेकर सड़क तक लोगों में आक्रोश का माहौल है।श्री गोपाल राय ने यहाँ बताया कि मणिपुर पिछले तीन महीनों से हिंसा और वहशीपन की आग में दहक रहा है। वहां सरेआम लोगों को मारा-काटा और मकान जलाए जा रहे हैं। महिलाओं के साथ बर्बरता की हदें पार की जा रही हैं, लेकिन वहां की भाजपा सरकार इस पर कुछ करने की जगह हाथ पर हाथ रखकर बैठी हुई है। उन्होंने कहा मणिपुर में हो रही हिंसा को वहां की भाजपा सरकार शांत करने के बदले उल्टे भड़का रही है। समुदायों के बीच नफ़रत फैलाई जा रही है। इन सबके बीच सबसे दुखद और आश्चर्यजनक यह है कि केंद्र सरकार भी इस पर कुछ करने के बजाय मूकदर्शक बनी हुई है। आप नेता ने कहा कि मणिपुर में जारी इस भीषण हिंसा में दर्जनों लोग मारे गए, सैकड़ों लोग अनाथ हो गए, हज़ारों लोग पलायन कर अन्य राज्यों में भाग गए, महिलाओं की सरेआम आबरू लूटी गई लेकिन राज्य से लेकर केंद्र तक की सरकारें चुप हैं। यह सब बर्दाश्त नहीं किया जा सकता और इसके खिलाफ 'आप' कल पूरे देश में सड़कों पर उतरेगी। मणिपुर में तत्काल केंद्र के दखल की ज़रूरत है, लेकिन प्रधानमंत्री ने मौन धारण कर रखा है। मणिपुर को बचाने के लिए पूरे देश को एकजुट होने की ज़रूरत है। इसे राजनीतिक चश्मे से अलग हटकर देखना चाहिए।

मोदी प्रगति मैदान में विकसित भव्य अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र को बुधवार को करेंगे राष्ट्र को समर्पित

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार 26 जुलाई को राजधानी के प्रगति मैदान में नवनिर्मित अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी-एवं-सम्मेलन केंद्र (आईईसीसी) परिसर को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय की सोमवार को जारी एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गयी है।

भारत की अध्यक्षता में जी20 की शिखर बैठक का सितंबर में आयोजन इसी परिसर में होने वाला है। सरकार ने इस परिसर की भव्यता प्रदर्शित करने वाला एक वीडियो भी आज जारी किया है। यह परिसर देश में बड़ी बैठकों, सम्मेलनों और प्रदर्शनियों की मेजबानी के लिए विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे के विकास के संबंध में मोदी सरकार की सोच का परिणाम बताया गया है। विज्ञप्ति के मुताबिक यह देश में अब तक का सबसे बड़ा सम्मेलन एवं प्रदर्शनी परिसर है। इसे 2700 करोड़ रुपये की लागत से एक राष्ट्रीय परियोजना के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रगति मैदान में सम्मेलन एवं प्रदर्शनी की पुरानी सुविधाओं को नया रूप दिया गया है और वहां एक नव निर्माण किया गया है।

विज्ञप्ति के अनुसार लगभग 123 एकड़ क्षेत्र के साथ प्रगति मैदान का आईईसीसी परिसर भारत में इस तरह की सबसे बड़ी सुविधा है बतायी गयी है और इसकी गणना दुनिया के शीर्ष

प्रदर्शनी और सम्मेलन परिसरों में होगी। इस परिसर में सम्मेलन केंद्र, प्रदर्शनी हॉल, खुले रंगमंच जैसी कई अत्याधुनिक सुविधाएं विकसित की गयी हैं।

यह परिसर नए रूप में विकसित किए जा रहे प्रगति मैदान परिसर का केंद्रबिंदु है।

इसके भव्य बहुउद्देश्यीय कक्ष और महाधिवेशन कक्ष की संयुक्त क्षमता सात हजार लोगों की है, जो ऑस्ट्रेलिया के प्रसिद्ध सिडनी ओपेरा हाउस की बैठने की क्षमता से भी बड़ी है। इसका शानदार एम्फीथिएटर (खुला रंगमंच) 3,000 व्यक्तियों की बैठने की क्षमता से सुसज्जित है। सम्मेलन केंद्र का वास्तुशिल्प भारतीय परंपराओं से प्रेरित है और आधुनिक सुविधाओं और जीवन शैली को अपनाने के साथ-साथ अपने अतीत में भारत के आत्मविश्वास और दृढ़ विश्वास को भी दर्शाता है।

इमारत का आकार शंख (शंख) से लिया गया है। इसकी दीवारें और अग्रभाग भारत की पारंपरिक कला और संस्कृति के कई तत्वों की झांकी प्रस्तुत करते हैं। इसमें 'सौर शक्ति', सौर ऊर्जा के दोहन में भारत के प्रयास, दुनिया को 'शून्य' की भारत की देन, अंतरिक्ष विज्ञान में देश की प्रगति, तथा सृष्टि के निर्माण में आधारभूत पंच महाभूत खंडों - आकाश, वायु , अग्नि , जल और पृथ्वी की अवधारणा को दर्शाया गया है। देश के विभिन्न क्षेत्रों की विभिन्न पेंटिंग और जनजातीय कला रूप कन्वेंशन सेंटर की शोभा बढ़ाते हैं।

कन्वेंशन सेंटर को इस तरह के परिसरों के लिए आवश्यक सभी सुविधाएं को उनके अत्याधुनिक रूप के साथ सम्पन्न किया गया है। इनमें 5जी-सक्षम वाई-फाई , 10जी इंट्रानेट कनेक्टिविटी, 16 विभिन्न भाषाओं का समर्थन करने के लिए अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित दुभाषिया कक्ष, आधुनिक प्रकाश प्रबंधन प्रणाली, एकीकृत निगरानी प्रणाली और ऊर्जा-कुशल केंद्रीकृत एयर कंडीशनिंग प्रणाली शामिल हैं।

धामी ने गडकरी को भेंट किया बिच्छू घास से निर्मित स्टॉल

नई दिल्ली। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने यहां केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की और राज्य में सड़क संपर्क से संबंधित विभिन्न परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा के साथ ही बिच्छू घास से बना स्टॉल भेंट किया।श्री धामी ने इस दौरान श्री गडकरी को कंडाली से बनी स्टॉल तथा राज्य में स्थानीय स्तर पर तैयार किये जा रहे अन्य उत्पादों से निर्मित वस्तुएं भी भेंट की।मुख्यमंत्री ने इस दौरान श्री गडकरी से कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों में मानसून की बरसात के कारण क्षतिग्रस्त हुए राष्ट्रीय राजमार्गों की मरम्मत के लिए केंद्रीय सहायता उपलब्ध कराने तथा कुछ राष्ट्रीय राजमार्गों के चौड़ीकरण जैसे कार्यों के लिए उत्तराखंड लोक निर्माण विभाग को निर्माण एजेन्सी के रूप में नामित करने का भी अनुरोध किया। श्री गडकरी ने इन दोनों मांगों पर सहमति व्यक्त की और श्री धामी के अनुरोध पर मसूरी की महत्वपूर्ण 02-लेन टनल परियोजना के कार्य में शीघ्रता लाने के अनुरोध पर अधिकारियों को निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने चार धाम को जोड़ने

के वैकल्पिक मार्ग यमुनोत्री धाम को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या पर डामटा से बड़कोट के 2-लेन चौड़ीकरण के लिए भी 367.35 करोड़ की स्वीकृति प्रदान करने का अनुरोध किया जिस पर श्री गडकरी ने स्वीकृति जल्द दिये जाने का आश्वासन दिया। इसी तरह से खटीमा - पीलीभीत बाईपास के निर्माण के अनुरोध पर केंद्रीय मंत्री ने इस मार्ग के परीक्षण का अधिकारियों को निर्देश दिया। इसी तरह से मुख्यमंत्री के देहरादून रिंग रोड निर्माण के कार्य के अनुरोध पर श्री गडकरी ने इस बारे में अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिये।श्री धामी ने इसी तरह से उत्तराखंड एवं हिमाचल को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग को 2-लेन का बनाने, श्रीनगर शहरी क्षेत्र में यातायात घनत्व के कारण बाईपास के निर्माण, पिथौरागढ़ के जौलिंगकांग व्यास घाटी से बेदाग के मध्य 5 किलो मीटर टनल का निर्माण, वेदांग से गो एवं सिपु तक 20 किमी मार्ग का निर्माण, सिपु से तोला के मध्य लगभग 22 किमी लम्बाई की टनल का निर्माण तथा मिलम से लथल तक 30 किमी टनल बनाने की भी मांग रखी जिस पर केंद्रीय मंत्री ने सकारात्मक जवाब दिया।

मणिपुर पर संसद में ईमानदारी से चर्चा कराए सरकार : कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि सरकार मणिपुर संकट को लेकर गंभीर नहीं है और इस मामले में वह संसद में चर्चा कराने तथा जवाब देने से बच रही है। पार्टी ने कहा कि यदि सरकार सचमुच में इस मुद्दे को लेकर गंभीर है तो उसे ईमानदारी से इस मुद्दे पर व्यापक चर्चा करानी चाहिए।

राज्यसभा में कांग्रेस के सचेतक शक्तिसिंह गोहिल तथा लोकसभा में पार्टी सचेतक गौरव गोगोई ने यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मोदी सरकार जिन नियमों के तहत इन मुद्दोंपर चर्चा कराना चाहती है मणिपुर जैसे संकट पर चर्चा के लिए यह ठीक नहीं है। इस मुद्दे पर व्यापक चर्चा की जरूरत है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस मामले में संसद के दोनों सदनों में जवाब देना चाहिए।श्री गोहिल ने कहा कि नियम 267 के तहत राज्यसभा में बडी चर्चा होती है और नियम 167 के तहत छोटी चर्चा होती है। बड़ी चर्चा पर जरूरत पड़ने पर वोटिंग हो सकती है और इसमें लम्बी चर्चा की जा सकती हे इसलिए विपक्ष इस नियम के तहत चर्चा की मांग कर रहा है लेकिन सरकार इसे 176 के तहत चर्चा कराना चाहती है।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने इस मुद्दे राजनीति की है और मणिपुर को नजरअंदाज करती रही है इसलिए यह मामला ज्यादा गंभीर हो गया तो उच्चतम न्यायालय को इस मामले में केंद्र सरकार को फटकार लगानी पड़ी जिसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद के बाहर इस बारे में संक्षिप्त बयान दिया है। कांग्रेस के लोकसभा सदस्य गौरव गोगोई ने कहा कि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों इस बारे में चर्चा की बात करते हैं लेकिन सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही हैं जो इस बारे में संसद में कुछ बोलना ही नहीं चाहते हैं। सवाल है कि श्री मोदी अमेरिकी संसद के संयुक्त सत्र में बोल सकते हैं, फ्रांस में वहां राष्ट्रपति के गले लग सकते हैं लेकिन उन्हें मणिपुर जाकर वहां के लोगों का दर्द सनने की फुर्सत नहीं है। उन्होंने कहा कि मणिपुर के लोग सिर्फ मणिपुर में ही नहीं बल्कि दिल्ली तथा अन्य शहरों में मणिपुर में जारी संकट पर प्रदर्शन कर रहे हैं और अपनी पीड़ा का इजहार कर रहे हैं लेकिन श्री मोदी इस मुद्दे पर कुछ भी बोलने से बच रहे हैं और पीठ दिखा रहे हैं।

यमुना एवं हिंडन नदी के बढ़े हुए जलस्तर के कारण प्रभावित परिवारों को हर संभव मदद मुहैया

गौतम बुध नगर। डीएम मनीष कुमार वर्मा स्वयं मौके पर पहुंचकर हिंडन नदी के बढ़े हुए जल स्तर से प्रभावित ग्रामों का कर रहे हैं स्थल निरीक्षण प्रभावित परिवारों को सुरक्षित अस्थाई आश्रय स्थलों में किया जा रहा है शिफ्ट, प्रभावित परिवारों को सभी सुविधाएं मानकों के अनुरूप कराई जा रही उपलब्ध जिलाधिकारी ने छिजारसी, चोटपुर, हैबतपुर में बनाए गए अस्थाई आश्रय स्थल का किया निरीक्षण, रह रहे लोगों से मिलने वाली सुविधाओं के संबंध में ली फीडबैक सुरक्षित अस्थाई आश्रय स्थलों में प्रवास कर रहे लोगों को मानकों के अनुरूप मिल रही है खानपान एवं स्वास्थ संबंधी सेवाएं उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की मंशा के अनुरूप यमुना एवं हिंडन नदी के बढ़े हुए जलस्तर के कारण प्रभावित परिवारों को हर संभव मदद मुहैया कराने के उद्देश्य से डीएम मनीष कुमार वर्मा के नेतृत्व में जिला प्रशासन के अधिकारी गण निरंतर स्तर पर अपनी अपनी कार्रवाई सुनिश्चित कर रहे हैं। इसी श्रृंखला में आज डीएम मनीष कुमार वर्मा अपने भ्रमण के दौरान हिंडन नदी के बढ़े हुए जलस्तर के कारण प्रभावित ग्रामों में पहुंचे, जहां पर उन्होंने ग्रामों का स्थल निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि हिंडन नदी के जल स्तर पर निरंतर पैनी नजर रखी जाए और प्रभावित ग्रामों से लोगों को सुरक्षित निकाल कर सुरक्षित अस्थाई आश्रय स्थलों में पहुंचाया जाए। जिलाधिकारी ने इस अवसर पर ग्रामीणों से भी अपील की है कि वह भी स्वयं सुरक्षित स्थानों पर पहुंच जाएं, घबराने की जरूरत नहीं है, जिला प्रशासन की ओर से हर संभव मदद आपको मुहैया कराई जाएगी। जिलाधिकारी ने इस अवसर पर ग्राम छिजारसी, चोटपुर, हैबतपुर में बनाए गए सुरक्षित अस्थाई आश्रय स्थलों का भी निरीक्षण किया, जहां पर हिंडन नदी के बढ़े जल स्तर से प्रभावित ग्रामों के लोगों को सुरक्षित रखा गया है। जिलाधिकारी ने आश्रय स्थलों में रह रहे लोगों से वहां पर मिलने वाली सुविधाओं के संबंध में बहुत ही गहनता के साथ जानकारी प्राप्त की। लोगों ने बताया कि आश्रय स्थलों में उनको सभी मूलभूत सुविधाएं बहुत अच्छे ढंग से प्राप्त हो रही हैं। जिलाधिकारी ने सुरक्षित

आश्रय स्थलों के नोडल अधिकारियों को निर्देश दिए कि उनके द्वारा आश्रय स्थलों में प्रवास कर रहे लोगों को सभी मूलभूत सुविधाएं, खानपान, रहन सहन, साफ सफाई, बिजली, पानी तथा मेडिकल संबंधित सुविधाएं मानकों के अनुरूप उपलब्ध कराई जाएं, इस कार्य में किसी भी तरह की कोताही न बरती जाए। इस अवसर पर डीसीपी अनिल कुमार यादव, एसीपी पुलिस, उप जिलाधिकारी दादरी आलोक कुमार गुप्ता एवं संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे। राकेश चौहान जिला सूचना अधिकारी गौतम बुद्ध नगर। गौतम बुद्ध नगर से यमुना एवं हिंडन नदी के बढ़े हुए जलस्तर के कारण प्रभावित परिवारों को हर संभव मदद मुहैया कराने को लेकर जिला प्रशासन कृत संकल्पित डीएम मनीष कुमार वर्मा स्वयं मौके पर पहुंचकर हिंडन नदी के बढ़े हुए जल स्तर से प्रभावित ग्रामों का कर रहे हैं स्थल निरीक्षण प्रभावित परिवारों को सुरक्षित अस्थाई आश्रय स्थलों में किया जा रहा है शिफ्ट, प्रभावित परिवारों को सभी सुविधाएं मानकों के अनुरूप कराई जा रही उपलब्ध जिलाधिकारी ने छिजारसी, चोटपुर, हैबतपुर में बनाए गए अस्थाई आश्रय स्थल का किया निरीक्षण, रह रहे लोगों से मिलने वाली सुविधाओं के संबंध में ली फीडबैकसुरक्षित अस्थाई आश्रय स्थलों में प्रवास कर रहे लोगों को मानकों के अनुरूप मिल रही है खानपान एवं स्वास्थ संबंधी सेवाएंउत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की मंशा के अनुरूप यमुना एवं हिंडन नदी के बढ़े हुए जलस्तर के कारण प्रभावित परिवारों को हर संभव मदद मुहैया कराने के उद्देश्य से डीएम मनीष कुमार वर्मा के नेतृत्व में जिला प्रशासन के अधिकारी गण निरंतर स्तर पर अपनी अपनी कार्रवाई सुनिश्चित कर रहे हैं। इसी श्रृंखला में आज डीएम मनीष कुमार वर्मा अपने भ्रमण के दौरान हिंडन नदी के बढ़े हुए जलस्तर के कारण प्रभावित ग्रामों में पहुंचे, जहां पर उन्होंने ग्रामों का स्थल निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि हिंडन नदी के जल स्तर पर निरंतर पैनी नजर रखी जाए और प्रभावित ग्रामों से लोगों को सुरक्षित निकाल कर सुरक्षित अस्थाई आश्रय स्थलों में पहुंचाया जाए। जिलाधिकारी ने इस अवसर पर ग्रामीणों से भी अपील की है कि वह भी स्वयं सुरक्षित स्थानों पर पहुंच जाएं, घबराने की जरूरत नहीं है, जिला प्रशासन की ओर से हर संभव मदद आपको मुहैया कराई जाएगी। जिलाधिकारी ने इस अवसर पर ग्राम छिजारसी, चोटपुर, हैबतपुर में बनाए गए सुरक्षित अस्थाई आश्रय स्थलों का भी निरीक्षण किया, जहां पर उन्होंने ग्रामों का स्थल निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि हिंडन नदी के जल स्तर पर निरंतर पैनी नजर रखी जाए और प्रभावित ग्रामों से लोगों को सुरक्षित निकाल कर सुरक्षित अस्थाई आश्रय स्थलों में पहुंचाया जाए। जिलाधिकारी ने इस अवसर पर ग्रामीणों से भी अपील की है कि वह भी स्वयं सुरक्षित स्थानों पर पहुंच जाएं, घबराने की जरूरत नहीं है, जिला प्रशासन की ओर से हर संभव मदद आपको मुहैया कराई जाएगी। जिलाधिकारी सभी मूलभूत सुविधाएं बहुत अच्छे ढंग से प्राप्त हो रही हैं। जिलाधिकारी ने सुरक्षित आश्रय स्थलों के नोडल अधिकारियों को निर्देश दिए कि उनके द्वारा आश्रय स्थलों में प्रवास कर रहे लोगों को सभी मूलभूत सुविधाएं, खानपान, रहन सहन, साफ सफाई, बिजली, पानी तथा मेडिकल संबंधित सुविधाएं मानकों के अनुरूप उपलब्ध कराई जाएं, इस कार्य में किसी भी तरह की कोताही न बरती जाए। इस अवसर पर डीसीपी अनिल कुमार यादव, एसीपी पुलिस, उप जिलाधिकारी दादरी आलोक कुमार गुप्ता एवं संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त डायरी

स्वामी चक्रपाणि महाराज ने अनुराग ठाकुर को कहा धन्यवाद

दिल्ली। अखिल भारत हिंदू महासभा/ संत महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी चक्रपाणि महाराज ने अनुराग ठाकुर का धन्यवाद करते हुए कहा कि हॉलीवुड फिल्म ओपन हैमर के हिंदू महासभा के विरोध के बाद केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने तत्काल सेंसर बोर्ड और निमार्ताओ को इस सीन को हटाने के निर्देश दिया है, साथ ही इस सीन के साथ फिल्म को स्क्रीनिंग को मंजूरी देने में शामिल सभी सीबीएससी सदस्यों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की भी चेतावनी दी है, स्वामी चक्रपाणि महाराज ने अनुराग ठाकुर को आभार जताते हुए धन्यवाद किया।

आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों के लिए 30 को मतदान

ग्रेटर नोएडा। एचआईजी अपार्टमेंट्स ऑनर्स एसोसिएशन ओमिक्रोन-एक के चुनाव के लिए रविवार को नामांकन किए गए। मुख्य चुनाव अधिकारी रणजीत प्रधान ने बताया कि सोसाइटी के दस पदों पर चुनाव होना है। इसमें तीन पैनल सामने आए हैं। 10 पदों के लिए 28 लोगों ने नामांकन किया है। 30 जुलाई को मतदान होगा। मौके पर देवेंद्र टाइगर, दीपक भाटी, देवराज नागर, आलोक नागर और सुशील शर्मा आदि उपस्थित रहे।

ठगों ने क्रेडिट कार्ड से 18 हजार निकाले

नोएडा। सेक्टर-39 थाने में दी शिकायत में सलारपुर के मनोज कुंवर ने बताया कि 13 अप्रैल को उनके आईसीआईसीआई बैंक के क्रेडिट कार्ड से 18 हजार रुपये निकल गए। मनोज ने न तो कोई खरीदारी की और न कि किसी को कार्ड और बैंक संबंधी जानकारी दी। साइबर जालसाजों ने कई बार में खाते से रुपये निकाले हैं। अज्ञात जालसाज के खिलाफ केस दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पांच गांवों के घरों में भरा हिंडन का पानी

नोएडा। यमुना के बाद अब हिंडन नदी में जबरदस्त उफान आया है। जलस्तर खतरे के लाल निशान के काफी करीब है। रविवार को हिंडन के किनारे बसे बहलोलपुर, छिजारसी, चोटपुर, युसूफपुर व हैबतपुर के डूब क्षेत्र में बसी कॉलोनी और घरों तक में पानी भर गया। इससे करीब 120 लोग प्रभावित हुए, जिसमें से 41 को प्रशासन ने राहत शिविरों में विस्थापित किया है। हिंडन का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है, जिससे किनारे पर बसे 14 गांवों में बाढ़ का खतरा है। जिला प्रशासन के मुताबिक हिंडन नदी बहलोलपुर, छिजारसी, गढ़ी कलंजरी, चोटपुर, सलेमपुर, कुलेसरा, हैबतपुर समेत कई गांवों से होते हुए सफीपुर, चूहड़पुर से निकलकर मोमनाथल गांव में जाकर यमुना में मिल रही है। अधिकारियों के अनुसार हिंडन नदी के किनारे 14 गांव बसे हैं। पानी का स्तर बढ़ने से यहां के डूब क्षेत्र में बनी कॉलोनी में रह रहे लोगों को विस्थापित होना पड़ सकता है। रविवार को हिंडन में 18635 क्यूसेक पानी बह रहा था। डाउनस्ट्रीम जलस्तर 200.65 मीटर होने के कारण नदी ने मिट्टी का कटान शुरू कर दिया और पानी मैड के ऊपर से बहकर कॉलोनियों और घरों में भर गया। हिंडन में खतरे का लाल निशान 205.80 मीटर पर है। बहलोलपुर और छिजारसी में अबतक सबसे अधिक पानी भरा होने का अनुमान है। यहां डूब क्षेत्र में बने घरों में रहने वाले 41 पीड़ितों को शिविरों में विस्थापित करायागया है। उधर, चोटपुर और हैबतपुर गांव से भी लोगों ने घर छोड़कर जाना शुरू कर दिया है। रविवार को काफी लोग ट्रैक्टर समेत अन्य वाहनों में सामान लादकर सुरक्षित स्थान पर जाते दिखाई दिए। प्रभावित क्षेत्रों में पांच बाढ़ चौकियां स्थापित हिंडन के प्रभावित क्षेत्र में फंसे लोगों की मदद के लिए प्रशासन ने पांच बाढ़ चौकियां स्थापित की गई है। साथ ही चार गांवों में एक एक राहत शिविर बनाया गया है। चोटपुर में नंदा पब्लिक स्कूल, बहलोलपुर में साक्षी पब्लिक स्कूल, युसूफपुर में देव विद्या पीठ स्कूल और हैवतपुर में कन्हैया पब्लिक स्कूल में शिविर बना है। फंसे हुए लोगों को इन्हीं शिविरों में लाया जा रहा है। यहां उनकी देखरेख के लिए मेडिकल टीमें मौजूद है, साथ ही खानपान की व्यवस्था भी प्रशासन की ओर से की जा रही है। यमुना का जलस्तर भी बढ़ने लगा हिंडन में बाढ़ आने से यमुना का जलस्तर भी बढ़ना शुरू हो गया है। बीते दिनों तक जहां यमुना में 38 हजार क्यूसेक पानी भय रहा था वहीं, अब 78336 क्यूसेक पानी बह रहा है। जलस्तर 198.85 हो गया है। बता दें कि यमुना में खतरनाक जलस्तर 200.60 मीटर है। बीते दिनों जलस्तर इससे भी ऊपर पहुंच गया था। जिससे करीब 53 गांव और 8 हजार से अधिक लोग प्रभावित हुए थे। चार हजार से ज्यादा को विस्थापित किया गया था। प्रभावित क्षेत्रों से विस्थापित हुए लोग बोले: चोटपुर में रहने वाले बाबूनंद राव बताते है कि वह 10 वर्षों से यहां रह रहे हैं। चार दिनों से लगातार हिंडन में पानी बढ़ रहा था, जिससे आज पानी उनके घर के प्रवेश द्वार पर पहुंच गया। यदि जलस्तर और बढ़ा तो वह अपने खोड़ा स्थित रिश्तेदार के घर चले जाएंगे, उन्होंने सामान समेटना भी शुरू कर दिया है।

गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन ने आरटीई के दाखिलों को लेकर बीएसए को सौपा ज्ञापन

जीपीए ने 7 दिन के अंदर आरटीई के दाखिले नही होने पर दी धरने की चेतावनी

गाजियाबाद : पेरेंट्स एसोसिएशन ने निःशुल्क एवम अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009(आरटीई) के तहत चयनित अलाभित समूह / दुर्बल वर्ग के बच्चों को दाखिले से वंचित करने वाले स्कूलो की मान्यता रद्द करने के लिए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यलय पहुँचकर बीएसए के लखनऊ में होने के कारण वित्त अधिकारी मनप्रीत कोर को ज्ञापन सौपा साथ ही जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से फोन पर वार्ता की गई और सभी बच्चों के दाखिले सुनिचित कराने के लिये कहा गया जिस पर उन्होंने कहा कि वो तीन बाद लखनऊ से आकर सभी चयनित बच्चों के दाखिले सुनिश्चित कराएंगे इसके बाद जीपीए के साथ सभी अभिभावक जिलाधिकारी कार्यलय पहुचे जहाँ अपर जिला अधिकारी प्रा. रणविजय सिंह को सारा प्रकरण विस्तार से बता ज्ञापन की एक कॉपी दी गई और 7 दिन के अंदर बच्चों के दाखिले नही होने पर धरने की चेतावनी दी गई जिस पर उन्होंने बच्चों के दाखिले कराने के लिए आश्वश्त किया गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन के सचिव अनिल सिंह और उपाध्यक्ष पवन शर्मा ने बताया कि 05 जुलाई 2023 को महनेदशक स्कूल शिक्षा लखनऊ द्वारा जिले के बीएसए को शत प्रतिशत आरटीई के दाखिले सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए थे उसके बाद भी अभी तक पेटेंट्स अपने बच्चों के दाखिलों के लिए स्कूल और अधिकारियों के चक्कर काट रहे है शासन के पत्र की समय सीमा बीत जाने के बाद भी दाखिला नही लेने वाले स्कूलो पर बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा कोई कार्यवाई नही की गई जीपीए के आरटीई प्रभारी धर्मेंद्र यादव एवम नवीन राठौर ने बताया कि आरटीई के अंतर्गत चयनित बच्चों को परेशान करने और दाखिला नही देने के लिए स्कूलो द्वारा पेरेंट्स के घर स्टाफ भेजकर वेरीफिक्केशन कराया जा रहा है , अनावश्यक कागजात मांग कर परेशान किया जा रहा है और कुछ स्कूल तो ऐसे है कि जिन्होंने साफ बोल दिया कि बीएसए कार्यलय से उनके पास आरटीई के चयनित बच्चों की कोई सूची ही नही आई है तो कुछ स्कूलो का कहना है कि हमारे यहां सीटे फूल हो गई है जबकिं शिक्षा निदेशक (बेसिक) द्वारा 3-01-2022 को सभी बीएसए को भेजे गये पत्र में साफ साफ निर्देश दिए गए है कि उपरोक्त बिंदुओं के तहत पेरेंट्स को परेशान करना आरटीई अधिनियम 2009 का उलघ्न है पत्र में यह भी कहा गया है आरटीई के दाखिलों को लेकर शासन/विभाग के आदेशों को उलघ्न करने पर स्कूलो की मान्यता प्रत्याहरण की कार्यवाई सुनिश्चित की जा सकती है लेकिन अक्सर अधिकारियों द्वारा यह कहकर पल्ला झाड़ लिया जाता है कि उनके पास स्कूलो पर कार्यवाई को कोई अधिकार नही है जिसकी शासन के इस पत्र ने पोल खोल दी है पिछले वर्ष भी लगभग 1800 बच्चे दाखिलों से वंचित रह गये थे और इस बार भी यह संख्या बड़ी है जो आरटीई अधिनियम गरीब बच्चों को शिक्षा का अधिकार सुनिश्चित करता है उस अधिनियम की निजी स्कूलों द्वारा खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही है लेकिन आज तक शासन अथवा शिक्षाधिकारियों द्वारा कोई कार्यवाई नही की गई जो दिखाता है कि निजी स्कूल संचालको की विभाग और शासन में कितनी मजबूत पकड़ है लेकिन गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन के क्रांतिकारी सिपाही हिम्मत हारने वाले नही जब तक आरटीई के प्रत्येक बच्चे का दाखिला सुनिश्चित नही हो जाता है हम जिले के बेसिक शिक्षा अधिकारी से अनुरोध करते है कि आरटीई के दाखिले नही लेने वाले स्कूलो की मान्यता रद्द करने की कार्यवाई सुनिश्चित की जाए जिससे कि जिले का कोई भी स्कूल बच्चों को आरटीई के दाखिलो से वंचित करने की हिमाकत न कर सके । इस मौके पर धर्मेंद्र यादव , पवन शर्मा , जसवीर रावत , नरेश कुमार , नवीन राठौर , चंद्र प्रकाश , मनमोहन सिंह , संजय मिश्रा , कौशलेंद्र सिंह , राजू सैफी , अश्वनी तोमर , प्रदीप कुमार , यश रावत , चंद्रपाल , अनिल कुमार सिंह , श्याम चौधरी , शायरा , नंदनी , आदि उपस्थित रहे।

धूम मानिकपुर दादरी बिजली घर पर हुआ भंडारे का आयोजन

गौतम बुध नगर। दादरी के धूम मानिकपुर बिजली विभाग के पदाधिकारी ने और किसान यूनियन अंबावता संगठन ने मिलकर सुख शांति के लिए हवन कराया हवन कर प्रसाद वितरण किया जिसमें धूम मानिकपुर बिजली विभाग के एक्शन अवनीश जी एसडीओ आलोक कुमार कुशवाहा और जेई सोहन सिंह,जिनका कहना है कि हर वर्ष की भांति सुख शांति के लिए हवन कराया जाता

है हवन कर लोगों को प्रसाद वितरण करते हैं जिसमें सभी पदाधिकारी से लेकर कर्मचारियों का सहयोग रहता है प्रसाद वितरण करने के दौरान जेई सोहन सिंह भारतीय किसान यूनियन अंबावता संगठन के दादरी तहसील अध्यक्ष किसान नेता राजकुमार रूपवास आलोक कुमार कुशवाहा अवनीश कुमार जी अशोक कुमार हरविंदर बाबूजी अंकुर पाएला विजेंद्र कोरी राहुल कोरी सतबीर पुष्पेंद्र अशोक,मुनेंद्र कुमार नरेश दीक्षित अशोक नुरजा मैडम देवेंद्र लोकेश प्रधान रवि प्रेमपाल केशव सुनील आकाश पायला प्रवीण कालू राजू सुनील नूडल जगवीरआदि मौजूद थे।

नोएडा की चोटपुर कालोनी एवं छिजारसी सहित कई इलाकों में हिंडन नदी का जलस्तर बढा

नोएडा। नोएडा की चोटपुर कालोनी एवं छिजारसी सहित कई इलाकों में हिंडन नदी का जलस्तर बढ़ गया है जिसके चलते लगभग करीब गांव बाढ़ क्षेत्र में प्रभावित हो गए हैं पानी का फ्लो ज्यादा होने के कारण हिंडन से सटे कई इलाके में पानी भर गया है जिसका निरीक्षण करने क्षेत्रीय सांसद एवं पूर्व मंत्री डा. महेश शर्मा एवं जिला प्रशासन के अधिकारी (जिलाधिकारी एवं पुलिस आयुक्त) सहित ग्राम छिजारसी, चोटपुर, अतर सिंह कालोनी, बहलोलपुर, युसूफपुर चहशाहबेरी और 25 फुटा रोड पहुंचे और वहां के प्रभावित लोगों की पीड़ा को सुना और अधिकारियों को भी

निर्देश दिए कि किसी भी व्यक्ति को परेशानी न हो। नोएडा के सेक्टर में बने सामुदायिक केंद्रों में लोगों को रहने और खाने की व्यवस्था जिला प्रशासन की ओर से की गई है फिलहाल नोएडा के सेक्टर 63ए, बहलोलपुर, शाहदरा, सुथियाना, गढ़ी चौखंडी, सेक्टर 123, 118,115, 143, 150 के पास यमुना में जलस्तर बढ़ने से लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है लोगों ने बताया कि वह करीब 10 वर्षों से यहां पर रहे है लेकिन आज तक कभी भी इस तरह का मंजर नही देखा था। मौके पर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह, मनोज गुप्ता, सांसद प्रतिनिधि संजय बाली, मण्डल अध्यक्ष, प्रमोद बहल, भाजपा महामंत्री उमेश त्यागी, श्रीमती डिम्पल आनन्द, गणेश जाटव, रोहित कुमार, मुक्तानंद शर्मा, मनोज उपाध्याय, हरिकिशोर सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहें।

नुक्कड़ नाटक' के द्वारा युवाओं को तंबाकू निषेध की ओर जागरूक किया गया

गौतम बुद्ध नगर। विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर दिल्ली पब्लिक स्कूल, एनटीपीसी, विद्युत नगर में कक्षा सात से दस के लिए एक विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। आज की युवा पीढ़ी को नशे मुक्ति का संदेश देने तथा समाज को एक बेहतर कल बनाने के उद्देश्य से इस प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ० शैलेंद्र कुमार, चिकित्सक एनटीपीसी, विद्युत नगर रहे। कार्यक्रम का आरंभ प्रार्थना से हुआ, तत्पश्चात 'आज का विचार' प्रस्तुत किया गया। जीवन में तंबाकू से दूर रहने के लिए हिंदी तथा अंग्रेजी भाषा में कविता पढ़ी गई। एक 'नुक्कड़ नाटक' के द्वारा युवाओं को तंबाकू निषेध की ओर जागरूक किया गया। नशा मुक्ति का संदेश देने तथा इस दिशा में जागरूकता फैलाने के लिए कार्यक्रम विशेष प्रार्थना सभा में भाषण, वीडियो प्रस्तुति तथा एक क्विज का भी आयोजन किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती पूनम दुआ ने अपने संभाषण में स्वरचित कविता पढ़कर विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने तथा अपने आसपास के लोगों को भी उससे दूर रखने के लिए प्रेरित किया।यह कार्यक्रम प्रार्थना संयोजिका श्रीमती अनुपम चौहान के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

हरियाणा राज्य सीनियर में रिशिता डांग ने स्वर्ण पदक जीता

करनाल। 35वीं हरियाणा राज्य सीनियर लडके और लड़कियां क्योरुगी ताइक्वांडो चैंपियनशिप और 15 वीं पूमसे ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2023 का अयोजन 23 से 24, जुलाई 2023 आरटीसी नॉर्थ जोन, अंबाला कैंट, हरियाणा में किया गया।

67 किलोग्राम भार वर्ग से नीचे लड़कियां वर्ग में क्राइस्ट यूनिवर्सिटी गाजियाबाद की बीए प्रथम वर्ष (मीडिया और पब्लिक अफेयर्स) की छात्रा कुमारी रिशिता डांग ने स्वर्ण पदक जीता, रजत पदक अंबाला की लवली कपूर ने और कांस्य पदक क्रमशः अंबाला की सिमरन और पलवल की हर्षिता ने जीता। ऋषिता डांग पहले ही विशाखापत्तनम में आयोजित 39वीं जूनियर क्योरुगी और 12वीं राष्ट्रीय पूमसे टैकोवोंडो चैंपियनशिप 2022-23 में स्वर्ण पदक और बलरामपुर (2019) और गाजियाबाद (2023) में आयोजित ताइकोवोंडो खेलों में 2 सीबीएसई राष्ट्रीय स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। इस अवसर पर हरियाणा राज्य ताइक्वांडो संघ के महासचिव श्री जसबीर सिंह गिल ने सभी प्रतिभागियों और पदक विजेताओं को बधाई दी।

सीएम के प्रस्तावित जनसंवाद के कार्यक्रमों को लेकर डीसी मोनिका गुप्ता ने ली अधिकारियों की बैठक

नारनौल। उपायुक्त मोनिका गुप्ता आईएएस ने आज मुख्यमंत्री मनोहर लाल के प्रस्तावित जनसंवाद के कार्यक्रमों को लेकर जिला के अधिकारियों की बैठक ली। मुख्यमंत्री का आगामी 28 जुलाई को महेंद्रगढ़ जिला के अटेली विधानसभा क्षेत्र के 3 गांवों में जन संवाद कार्यक्रम प्रस्तावित है। डीसी ने इस कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

डीसी ने बताया कि जिला के अटेली विधानसभा के कनीना शहर की पुरानी अनाज मंडी, गांव सुंदरह में हरिजन चौपाल व अटेली में महिला महाविद्यालय में कार्यक्रम होगा।

उन्होंने बताया कि सभा स्थल पर एक शिकायत कक्ष लगेगा?। यहां पर नागरिकों की शिकायतों का पंजीकरण होगा। इस मौके पर मुख्यमंत्री विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करेंगे। इसके लिए आज ही मुख्यालय से मंजूरी लें। सभी जगह पर लोगों के लिए वाटर प्रूफ टेंट लगाया जाए। जल निकासी के लिए पंप सेट पहले ही तैयार रखें। तुरंत प्रभाव से स्टेज निर्माण का कार्य शुरू किया जाए। इस बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त वैशाली सिंह, एसडीएम महेंद्रगढ़ हर्षित कुमार, डीएमसी अनुराग ढालिया, एसडीएम नारनौल मनोज कुमार, सीटीएम डा मंगलसैन व सीएमओ डा रमेश चंद्र आर्य के अलावा अन्य अधिकारी मौजूद थे।

मिशन इंद्रधनुष 5.0 अभियान को लेकर उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने ली बैठक

नारनौल। सरकार के निर्देश पर जिला में मिशन इंद्रधनुष 5.0 अभियान के तहत बच्चों व गर्भवती महिलाओं का हैड काउंट सर्वे करवाकर उन्हें चिह्नित करके टीकाकरण कराया जाएगा। इस अभियान की कवरेज की इंट्री यूडबल्यूआइएन पोर्टल पर आनलाइन की जाएगी। इस अभियान को लेकर आज उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने सभी विभागों के अधिकारियों की बैठक ली तथा इसे कामयाब बनाने के निर्देश दिए।

डीसी ने बताया कि मिशन इंद्रधनुष 5.0 अभियान तीन चरणों में आयोजित किया जाएगा। प्रथम चरण 7 अगस्त से 12 अगस्त तक, चरण 11 से 16 सितंबर तक और तृतीय चरण 09 से 14 अक्टूबर 2023 तक आयोजित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि बच्चों को नियमित टीकाकरण के जरिए पांच साल में बीसीजी, हेपेटाइटिस, डिप्थीरिया, पोलियो जैसे टीके सात बार लगाए जाते हैं। बच्चे के जन्म के समय, डेढ माह पर, ढाई माह पर, साढे तीन माह पर, 9 माह पर, डेढ़ साल पर व 5 साल पर टीके लगाए जाते हैं। इन टीकों से वंचित बच्चों को टीकाकृत करने के लिए सघन मिशन इन्द्रधनुष अभियान का आयोजन किया जा रहा है। उपायुक्त ने बताया कि कोविड के दौर में टीकाकरण को भी प्रभावित किया है। ऐसे में सरकार ने इसे सघन तौर पर चलाने का फैसला किया है।

उन्होंने बीडीपीओ को निर्देश दिए कि वे गांवों में मुनादी करवाएं। इसी प्रकार अन्य विभाग भी अपनी जिम्मेदारी निभाएं। इस बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त वैशाली सिंह, एसडीएम महेंद्रगढ़ हर्षित कुमार, डीएमसी अनुराग ढालिया, एसडीएम नारनौल मनोज कुमार, सीटीएम डा मंगलसैन व सीएमओ डा रमेश चंद्र आर्य के अलावा अन्य अधिकारी मौजूद थे।

कुलताजपुर में फैक्टशाला का आयोजन

नारनौल। सूचना साक्षरता के मूल सिद्धांतों पर आज गांव कुलताजपुर में फैक्टशाला का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य वक्ता के तौर पर समाज कल्याण अधिकारी अमित शर्मा व सहायक सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी धर्मेन्द्र कादियान मौजूद थे। इस मौके पर सहायक सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी धर्मेन्द्र कादयान ने कहा कि गुगन न्यूज इनिशिएटिव के सहयोग से डाटा लीडर्स की ओर से संचालित समाचार और सूचना साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिले में छोटे गांवों के लोगों को सामुदायिक रेडियो अरावली के माध्यम से ऑनलाइन सूचनाओं के गंभीर आकलन और गलत सूचनाओं से वास्तविक तथ्यों को अलग करने में सहायता करता है। इसकी बदौलत विभिन्न समुदाय के लोगों को नैतिक तौर तरीकों के साथ सूचना साक्षरता और गंभीर सोच संबंधी कौशल को लेकर सशक्त बनाने में मदद मिलेगी। इस मौके पर समाज कल्याण अधिकारी अमित शर्मा ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य लोगों को सूचनाओं के प्रति जागरूक करना है। रेडियो अरावली द्वारा समय-समय पर शहर के मोहल्ला व ग्रामीण क्षेत्र में जागरूक कैंप लगाकर लोगों को फेंक समाचारों के प्रति सचेत किया जाता है। गत दिनों सोमवती अमावस्या के दिन ढोसी पर स्नान करने के लिए उमड़ी भीड़ के बाद भगदड़ के भ्रामक समाचार सोशल मीडिया पर चलाए गए थे। इसमें कई लोगों के मरने की बात कही गई थी। सोशल मीडिया पर चली उक्त खबर गलत व तथ्यहीन थी। हमें ऐसे समाचारों की पुष्टि करने के बाद ही आगे फॉरवर्ड करना चाहिए तथा गलत सूचना से बचकर रहना चाहिए।

इस अवसर पर फैक्ट शाला ट्रेनर मनीष यादव ने बताया कि किसी भी सूचना को आगे पहुंचाने से पहले रुको, देखो फिर सोच परख के बाद में ही आगे सूचना को पहुंचाओ। आज सोशल मीडिया पर फेक न्यूज की बाढ़ सी आ गई है।

वार्ड-3 के विकास नगर की गलियां होंगी पक्की, महापौर रेणु बाला गुप्ता ने किया शुभारम्भ

करनाल। शहर के लोगों को पक्की गलियां, शुद्ध पेयजल आपूर्ति और बरसाती पानी की निकासी जैसी सुविधाएं देने की प्रतिबद्धता को नगर निगम बरकरार रखे हुए है। इसी कड़ी में महापौर करनाल रेनू बाला गुप्ता ने वार्ड नम्बर-3 के विकास नगर में प्रकाश पब्लिक स्कूल के पीछे की करीब 6 गलियों को पक्का करने के निर्माण कार्य का विधिवत शुभारम्भ किया। इस अवसर पर वार्ड पार्षद मनजीत कौर, समाजसेवी पप्पू लाठर तथा नगर निगम के सहायक अभियंता सुनील भल्ला व कनिष्ठ अभियंता सोहन सिंह मौजूद रहे।

महापौर ने बताया कि विकास नगर में करीब 600 मीटर लम्बाई की गलियों में बरसाती पानी निकासी की पाईप लाईन डाली जाएंगी तथा इंटरलॉकिंग पेवर ब्लॉक से पक्की गलियों का निर्माण किया जाएगा। इन कार्यों पर अनुमानित 48 लाख रुपये की राशि खर्च की जाएगी। दोनो कार्य दो माह में मुक्कमल कर लिए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि उपरोक्त कार्यों से पहले इन गलियों में सीवरेज व जलापूर्ति की पाईप लाईने डाली जा चुकी हैं। सभी कार्य नागरिकों की सुविधाओं को देखते हुए करवाए जा रहे हैं, इनके पूरे होने से यहां के निवासियों को मूलभूत सुविधाएं मुहैया होंगी। गंदे पानी की निकासी के साथ-साथ बारिश के सीजन में जल भराव भी नहीं होगा तथा पक्की गलियों के निर्माण से नागरिकों का

आवागमन सुगम होगा।

2 करोड़ से विकास नगर की गलियां होंगी पक्की- इस अवसर पर महापौर ने जानकारी दी कि उपरोक्त कार्य के अतिरिक्त विकास नगर की दूसरी गलियां भी पक्की की जाएंगी। इसके लिए नगर निगम की ओर से अनुमानित 2 करोड़ रुपये की राशि के टैण्डर लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि गली नम्बर 1 व उसके साथ लगती कुछ गलियों में बरसाती पानी निकासी की लाईने डाली जाएंगी तथा इंटरलॉकिंग पेवर ब्लॉक से पक्की गलियों का निर्माण किया जाएगा। इस कार्य पर अनुमानित 76 लाख रुपये की राशि खर्च होगी। इसी प्रकार गली नम्बर 4 में भी उपरोक्त दोनो कार्य करवाए जाएंगे तथा इस पर 34 लाख रुपये की अनुमानित राशि खर्च की जाएगी। इसके अतिरिक्त गली नम्बर 3, 5, 6 व 7 में भी यह कार्य करवाए जाएंगे, जिन पर अनुमानित 90 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि टैण्डर प्रक्रिया पूरी करने के बाद यह सभी कार्य शुरू करवाए जाएंगे।

महापौर ने मौके पर मौजूद नागरिकों को विकास कार्य शुरू होने पर बधाई दी और कहा कि हरियाणा के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जी के नेतृत्व में प्रदेश के साथ-साथ करनाल शहर का चहुंमुखी विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि विकाय कार्यों के लिए धन की कोई कमी नहीं है, काम निरंतर चलते रहेंगे। उन्होंने नागरिकों से भी अपील की कि वे स्वयं भी कार्य की देखरेख करें, ताकि गुणवत्ता को लेकर कोई कमी ना हो। उन्होंने निगम इंजीनियरों को भी निर्देश दिए कि काम में गुणवत्ता रखी जाए, रेगूलर साईट विजिट की जाए तथा निर्माण सामग्री के सैम्पल भरकर उनकी जांच भी करवाई जाए। उन्होंने कहा कि लापरवाही बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और कार्य को तय समय पर ही पूरा करें।

इस मौके पर कृष्ण कुमार तथा दर्शन सिंह के अतिरिक्त अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं महिलाएं उपस्थित रही। पार्षद व वार्ड वासियों की ओर से महापौर का जोरदार स्वागत किया गया।

9 साल में व्यापारियों का कारोबार 60 प्रतिशत खत्म : सुरेश गुप्ता

करनाल। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष सुरेश गुप्ता ने कहा कि मोदी सरकार व्यापारियों को चोर समझती है। सरकार की व्यापारी विरोधी नीतियों के चलते पिछले नौ सालों में व्यापारियों का कारोबार 60 फीसदी तक खत्म हो गया है। देश के जिन व्यापारियों के पास जीएसटी नंबर है, उन्हें सरकार ने प्रिवेंशन मनी लांड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) में शामिल कर दिया है। कांग्रेस सरकार के इस फैसले का पुरजोर विरोध करती है। उन्होंने देश के व्यापारियों से आह्वान किया कि सरकार के इस निर्णय के विरोध में अपना रोष जताने के लिए सोशल मीडिया कैम्पेन चलाएं। कांग्रेस पार्टी हर मोर्चे पर व्यापारियों के साथ खड़ी है। कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष हांसी रोड पर 'हाथ से हाथ जोड़ो' अभियान के तहत आयोजित सभा में कार्यकर्ताओं व लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बाढ़ में मारे गए लोगों के परिवारों को 25 लाख रुपए मुआवजा दिया जाए। सरकार किसानों को 50 हजार रुपए प्रति एकड़ के हिसाब से मुआवजा दे। इस मौके पर सुखराम बेदी, धर्मपाल डाचर, संजीव कांबोज, जोगिंद्र वाल्मीकि, राजिंद्र नंबरदार, संजय चंदेल, विनोद पाल चंदेल, राजू जिंदल, पंकज पाल व बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

पंजाबी नौजवानों के लिए रोज़गार के नये मौके पैदा करने के लिए अंग्रेज़ी भाषा में माहिर बनाने के लिए उठाया कदम

चंडीगढ़-मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व अधीन पंजाब सरकार की तरफ से निवेकली पहलकदमी के अंतर्गत नौजवानों के लिए रोज़गार के नये मौके पैदा करने के लिए ब्रिटिश कौंसिल एजुकेशन इंडिया प्राईवेट लिमिटिड (बी. सी. ई. आई. पी. एल.) के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किये गए हैं। समझौते पर पंजाब सरकार की तरफ़ से उच्च शिक्षा विभाग के डायरैक्टर डा. अमरपाल सिंह और ब्रिटिश कौंसिल के एम. डी. डंकन विल्सन ने मुख्यमंत्री भगवंत मान, शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस और चंडीगढ़ में इंग्लैंड के डिप्टी हाई कमिशनर कैरोलाईन रोवैट ने हस्ताक्षर किये। यह समझौता पूरा होने पर उच्च शिक्षा विभाग को मुबारकबाद देते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के इतिहास में यह दिन सुनहरी अक्षरों के साथ लिखा गया है। उन्होंने कहा कि इस समझौते से उच्च शिक्षा विभाग के अधीन सरकारी कॉलेजों के विद्यार्थियों के लिए 'इंग्लिश फार वर्क' के लिए प्रशिक्षण कोर्स शुरू करने का रास्ता साफ होगा। भगवंत मान ने उम्मीद जताई कि इससे पंजाब के नौजवानों में रोज़गार अनुकूल महारत निखारने में मदद मिलेगी और नौजवान औद्योगिक और सेवा क्षेत्र में अपने के लिए नौकरियों के अधिक मौके हासिल कर सकेंगे। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि इससे नौजवानों को भारत में ही रह कर काम करने का उत्साह मिलेगा और वह पंजाब की सामाजिक-आर्थिक तरक्की में योगदान डालेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य से हुनरमंद नौजवानों के प्रवास के रुझान को विपरीत चक्कर देने की दिशा में यह एक बड़ा कदम है। भगवंत मान ने कहा कि इस प्रोजैक्ट के हिस्से के तौर पर विद्यार्थी काम के लिए अंग्रेज़ी के एक 'लेवल' की पढ़ाई करेंगे, जिससे अंग्रेज़ी जानने के कारण उनमें रोज़गार अनुकूल महारत पैदा होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'इंग्लिश फार वर्क' एक ऐसा मिश्रित कोर्स है, जिसमें काम जैसे असली हालात में इस्तेमाल की जाने वाली अंग्रेज़ी भाषा सीखने पर ध्यान केन्द्रित होगा। उन्होंने कहा कि इसमें लिसनिंग (सुनने), रीडिंग (पढ़ने), राइटिंग (लिखने) और स्पीकिंग (बोलने) समेत व्याकरण, मात्राओं का उच्चारण और शब्दावली पर ध्यान दिया जायेगा। भगवंत मान ने कहा कि इस समझौते के अंतर्गत यह प्रोजैक्ट शैक्षिक सैशन 2023-24 से राज्य के सरकारी कॉलेजों में पाँच हज़ार विद्यार्थियों के लिए पायलट प्रोजैक्ट के तौर पर शुरू होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'इंग्लिश फार वर्क' एक ऐसा आनलाइन मिश्रित लर्निंग कोर्स है, जो लाइव इंटरऐक्टिव क्लासों के साथ खुद पढ़ने के लचीले सिद्धांत के साथ 'फ्लिप्पड क्लासरूम' संकल्प का प्रयोग करेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि इससे विद्यार्थी पेशेवर हालात में आत्म-विश्वास के साथ अपनी बात कहने के लिए अंग्रेज़ी भाषा का प्रयोग करने के योग्य होंगे। भगवंत मान ने आगे कहा कि इसमें एक आगामी मूल्यांकन परीक्षा होगी जिससे विद्यार्थियों के मौजूदा स्तर का पता लगाया जाये। कोर्स मुकम्मल होने पर विद्यार्थियों का एक बार फिर मूल्यांकन होगा, जिसके बाद उनको सर्टिफिकेट दिया जायेगा।

पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री ने 'एमज़' मोहाली के डायरिया वार्ड का किया औचक निरीक्षण

चंडीगढ़ -मुख्यमंत्री भगवंत मान की इच्छा अनुसार ज़िला एस. ए. एस. नगर के कुछ हिस्सों में पेचिश (डायरिया) के प्रकोप से प्रभावित लोगों को मानक इलाज मुहैया करवाए जाने को यकीनी बनाने के मद्देनज़र पंजाब के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डाः बलबीर सिंह ने सोमवार को मोहाली स्थित डा. बी. आर. अम्बेडकर स्टेट इंस्टीट्यूट आफ मैडीकल सायंसज़ (एमज़) में पेचस के मरीज़ों के लिए बनाऐ गए विशेष वार्ड का औचक दौरा करके वहाँ के प्रबंधों का जायज़ा लिया। स्वास्थ्य मंत्री ने मरीज़ों के साथ बातचीत करके हुये उनका हालचाल जानने के इलावा उनसे फीडबैक भी लिया जिससे मरीज़ों को मानक इलाज यकीनी बनाया जा सके। इस मौके पर उनके साथ स्वास्थ्य सेवाओं के डायरैक्टर डाः आदर्शपाल कौर, परिवार भलाई विभाग के डायरैक्टर डाः रविन्दरपाल कौर और ए. आई. एम. एस. मोहाली के प्रिंसिपल डाः भवनीत भारती भी उपस्थित थे। डाः बलबीर सिंह ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की तरफ से पेचिश के मरीजों की सही देखभाल को यकीनी बनाने के लिए एक समर्पित वार्ड स्थापित किया गया है और पंजाब सरकार की तरफ से दस्त से पीड़ित लोगों का मुफ़्त इलाज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की तरफ से कुछ बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की भी शिनाख़्त की गई है, जहाँ पेचिश फैलने का अंदेशा है और स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर प्रभावित लोगों को क्लोरीन की गोलियाँ मुहैया करवा रही हैं। उन्होंने कहा, क्लोरीन की गोलियाँ बाँटने के इलावा, हम ऐसे क्षेत्रों में टैंकरों के द्वारा पीने योग्य पानी की सप्लाई भी कर रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने समूह लोगों को यह भी विनती की कि यदि किसी को भी बुख़ार या, बार-बार पतले दस्त हों जैसे लक्षण हों तो

तुरंत सिवल सर्जन या किसी स्वास्थ्य अधिकारी को सूचित किया जाये जिससे स्वास्थ्य टीमें से तरफ से तुरंत क्लोरीन की गोलियाँ मुहैया करवाई जाएँ और पीने वाले पानी के टैंकर भेजने के इलावा सिवल अस्पताल में मरीज़ का मुफ़्त इलाज किया जा सके। उन्होंने राज्य के लोगों को भी अपील की कि वे अपने घरों में पानी की जांच करवाने के लिए स्वास्थ्य टीमों का सहयोग करें जिससे यह यकीनी बनाया जा सके कि उनको पीने वाला साफ़ पानी मिल रहा है। ज़िक्रयोग्य है कि स्वास्थ्य मंत्री ने लोगों को पानी से होने वाली और मच्छर-मक्खियों से होने वाली बीमारियों को प्रभावशाली ढंग से निपटने के लिए पंजाब सरकार की मदद करने का भी न्योता दिया।

चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के पांच सदस्य गिरफ्तार

सिवानी मंडी। सिवानी पुलिस ने चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले अंतरराज्य गिरोह के पांच लोगों को गिरफ्तार किया है इन लोगों को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया गया है।

गिरोह के ये सदस्य उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान व गुजरात के विभिन्न जिलों में घरों में चोरी की वारदात को अंजाम दिया करते थे।

पुलिस टीम के द्वारा गिरोह के सदस्य से 3 एलईडी, 1 ऐ सी, 1 इनवर्टर बैटरी, 19 चांदी के सिक्के, 4 जोड़ी चांदी की पाजेब, 2 जोड़ी चांदी के बच्चों के कड़े व रुपए बरामद किए हैं

इन लोगों ने जिला भिवानी में वर्ष 2021, 2022,2023 में कुल 55 घरों में चोरी की वारदातों का खुलासा किया है। इस बारे में थाना प्रभारी इंस्पेक्टर कुलदीप सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला भिवानी में कुल 55 घरों में चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले गिरोह के मुख्य सदस्य सहित कुल 5 आरोपियों को 14 जुलाई को आरोपियों को प्रोडक्शन वारंट पर लेकर गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस टीम के द्वारा संगठित गिरोह के गिरफ्तार किए गए सदस्यों की पहचान राजू उर्फ नन्हे निवासी गांव रामबिहार गाजियाबाद उत्तर प्रदेश,सागर निवासी गांव रामबिहार बन्थपला गाजियाबाद ,राजकुमार निवासी गांव

रामबिहार,गुलशन उर्फ पोली निवासी रामबिहार गाजियाबाद व भूरा उर्फ लंबू निवासी हदपुर जिला हाथरस प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार कर 8 दिन के पुलिस रिमांड पर हासिल किया था। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपियों से गहनता से पूछताछ करने पर आरोपियों ने बताया कि वर्ष 2021 में गांव देवसर में एक घर में चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। वर्ष 2022 में बवानीखेड़ा, बुषाण, बिरण, कुसम्भी, डांगर, तोशाम कलाली, टिटानी, देवराला, मिठी, सन्डवा, दिनोद,ओबरा, घंघाला, मंढाणा, कोहाड, मतानी, पपोसा, धारहेडु, चांग बलियाली, राजपुरा खरकड़ी, गोलागढ़, सांगा, प्रेम नगर, भैनी जाटान में घरों की चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। इसी प्रकार 2023 में गांव ईशरवाल, बड़वा तालु, ढाणी शंकर, कायला, बवानी खेड़ा, बापोड़ा, अजीतपुर, हसान, खानक, तोशाम, मंढोली, देवावास, गरवा व उमरावत में घरों की चोरी की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस टीम के द्वारा घरों में चोरी की वारदात को अंजाम देकर सामान को बेचकर उन पैसों से खरीदी गई 3 एलईडी, 1 ऐसी, 1 इनवर्टर बैटरी, 19 चांदी के सिक्के, 4 जोड़ी पाजेब चांदी की व 2 जोड़ी बच्चों के चांदी के कड़े बरामद किए गए हैं। पुलिस टीम के द्वारा आरोपियों को न्यायालय में पेश कर गांव बड़वा में चोरी करने के मामले में दर्ज अभियोग में दोबारा 4 दिन के पुलिस रिमांड पर हासिल किया गया है। रिमांड अवधि के दौरान आरोपियों से गहनता से पूछताछ की जाएगी।

मूंदड़ी की बेटी खुशी ने नासिक में हुई ताइक्वांडो प्रतियोगिता में जीता गोल्ड मेडल

कैथल। जिले के गांव मूंदड़ी की बेटी खुशी ने नासिक में हुई ताइक्वांडो प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतकर एक बार फिर देश में कैथल जिले व हरियाणा प्रदेश का नाम किया है। इसके साथ-साथ खिलाड़ी खुशी का वर्ल्ड चैंपियन में सिलेक्शन भी हुआ है। बेटी खुशी का गांव में पहुंचने पर सरपंच शशि रानी, प्रतिनिधि महेंद्र सिंह, लव-कुश सेवा संघ के प्रधान सूरज, अन्य सदस्यों कोच विक्रम कादियान व समस्त ग्रामीणों ने नोटों की माला व फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया। गणमान्य व्यक्तियों ने कहा कि बेटियां आज किसी भी क्षेत्र में बेटों से कम नहीं हैं। खेल व हर प्रतियोगिता में बेटियां देशभर में नाम चमका रही हैं। काफिले के साथ खिलाड़ी को सम्मानपूर्वक घर तक लाया गया। गौरतलब है कि इससे पहले भी मूंदड़ी के मजदूर परिवार की बेटी खुशी व उसकी बहन आरती ने ताइक्वांडो में अनेक नेशनल व स्टेट लेवल पर गोल्ड मेडल व सिल्वर मैडल जीतकर प्रदेश, कैथल जिले, मूंदड़ी गांव के साथ-साथ अपने माता-पिता व कोच विक्रम कादियान का नाम भी रोशन किया है। खुशी कैथल के जाट स्कूल की छात्रा है और उसका उद्देश्य देश के लिए खेलना और मैडलो की झड़ी लगाना है। सभी ग्रामीणों ने खिलाड़ी खुशी को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

प्रदूषित पानी को खेतों मे जाने से रोकने के लिए प्रसाशन कर रहा काम चलाऊ प्रयास

धारूहेड़ा। राजस्थान के भिवाड़ी औद्योगिक क्षेत्र से आने वाले प्रदूषित पानी की समस्या का निदान होने की बजाए यह समस्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है. थोड़ी सी बारिश के बाद दिल्ली-जयपुर व रेवाडी-पलवल राष्ट्रीय राजमार्गों, धारूहेड़ा नगरपालिका क्षेत्र के सेक्टर वासीयो सहित लाखों लोग इस गम्भीर समस्या से रूबरू होते हैं वही अब इस प्रदूषित पानी की वजह से औद्योगिक क्षेत्र की इकाइयां व आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों को इस पानी की वजह से लगातार परेशानियों से जूझना पड़ रहा है। आमजन के लिए लगातार परेशानी का कारण बनी इस समस्या को लेकर मंगलवार को गाँव खरखड़ा निवासी प्रकाश यादव ने केंद्रीय जल एवम पर्यावरण मंत्रालयों के प्रमुख सचिवों,मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के चैयरमैन पी. राघवेंद्र राव सहित डीसी रेवाडी को पत्र लिख इस गम्भीर स्थिति से अवगत कराते हुए बताया की भिवाड़ी की तरफ से

लगातार बहकर पहुँच रहा यह प्रदूषित पानी धारूहेड़ा औद्योगिक क्षेत्र में भारी मात्रा में भरा खड़ा होने के कारण अब ओवरफ्लो होकर औद्योगिक क्षेत्र की सड़कों व आसपास के गांव की खेतों की तरफ पहुंचने लगा है जिसके चलते रविवार को भी गांव खटावली के किसानो कि धान व सब्जियों की फसल में यह प्रदूषित पानी पहुंच गया जिसकी वजह से किसान के धान व सब्जी पूरी तरह से इस पानी मे डूबे खड़े हैं इससे पूर्व भी इसी प्रकार यह पानी किसानों के खेतों तक पहुंच फसलों को बर्बाद कर चुका है।

प्रकाश यादव ने अपने पत्र के माध्यम से सरकार व प्रशासन को चेताते हुए बताया है कि क्षेत्र में भरे खड़े इस पानी से बनेंगे बाढ़ जैसे हालात- हरियाणा प्रदेश के उतरी क्षेत्र के कई जिलों मे हुई भारी बारिश की वजह से वो जिले बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र घोषित हो चुके है वही भिवाड़ी के आने वाले पानी की वजह से धारूहेड़ा क्षेत्र मे भी बाढ़ जैसे हालात बनने के कगार पर स्थिति बनी हुई है औद्योगिक क्षेत्र में भारी मात्रा में भरे खड़े पानी की अधिकता के चलते अब तो यह बार-बार ओवरफ्लो होकर या पानी को रोकने के लिए बनाई मिट्टी की दीवार को तोड़कर परेशानी खड़ी कर रहा है.ऐसी स्थिति मे अगर भविष्य में बारिश होती है तो यह पानी निश्चित तौर पर धारूहेड़ा औद्योगिक क्षेत्र के आसपास स्थित गांव की सैकड़ों एकड़ कृषि भूमि को पूरी तरह से जलमग्न कर देगा और किसानों की लाखों रुपए की फसल को पूरी तरह नष्ट कर देगा, इसको गम्भीर समस्या को लेकर जिला प्रशासन व सरकार को जल्दी किसी ठोस निर्णय पर पहुंच इस पानी के स्थाई समाधान को लेकर कार्यवाही की जानी चाहिए नहीं तो धारूहेड़ा के आसपास स्थित गांव के किसानों के लिए यह पानी बाढ़ जैसे हालात पैदा करने के लिए काफी है जो अब अपने पूरे चरम पर अपना रौद्र रूप दिखाने के लिए बस केवल थोड़ी सी बारिश का इंतजार कर रहा है।

वर्षो से भरे खड़े पानी से जलस्तर हुआ प्रदूषित- दशकों से लगातार बरसाती नाले से होकर धारूहेड़ा पहुंच रहा यह प्रदूषित पानी दिल्ली जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग के नीचे से बिछाई गई अंडरग्राउंड पाइप के माध्यम से धारूहेड़ा औद्योगिक क्षेत्र के खाली भूखंडों में भारी मात्रा मे भरा खड़ा हुआ होने के कारण इस पानी से आसपास का भूमिगत जलस्तर भी पूरी तरह से प्रदूषित हो चुका है जिसको लेकर केंद्रीय जल एवं पर्यावरण मंत्रालय व संबंधित अन्य विभागों की तरफ से जल्द ही इस गंभीर स्थिति पर नियंत्रण करने की अति आवश्यकता है नहीं तो यह प्रदूषित पानी भूमिगत जल स्तर के माध्यम से हजारों लाखों लोगों के जीवन को खतरे में डाल सकता है।

प्रकाश यादव ने सरकार व प्रशासन से मांग करते हुए करते हुए बताया कि इस प्रदूषित पानी के साथ ही क्षेत्र के भूमिगत जलस्तर का निरीक्षण किये जाने के साथ ही इस पानी का सैंपल करा इस पानी की स्थिति का अंदाजा लगाने की अति आवश्यकता है नहीं तो इस प्रदूषित पानी की को दैनिक जीवन में उपयोग कर रहे क्षेत्रवासियों के लिए यह पानी गम्भीर बीमारियों का कारण बन सकता है

उत्तर कोरिया ने दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं

सियोल । दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ (जेसीएस) ने कहा कि उत्तर कोरिया ने पूर्वी सागर में दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। बयान में कहा गया, सेना ने सोमवार रात 11.55 बजे और मंगलवार की आधी रात को उत्तर कोरिया द्वारा प्योंगयांग के पास के इलाकों से पूर्वी सागर में दागी गई दो बैलिस्टिक मिसाइलों का पता लगाया। जेसीएस के हवाले से बताया कि दोनों मिसाइलें समुद्र में गिरने से पहले लगभग 400 किमी तक उड़ीं। जेसीएस के अनुसार, दागी गई मिसाइलों के सटीक प्रकार का निर्धारण करने के लिए सेना अभी भी उत्तर के नवीनतम मिसाइल प्रक्षेपण का विश्लेषण कर रही है। उत्तर कोरिया का नवीनतम मिसाइल प्रक्षेपण तब हुआ है, जब परमाणु ऊर्जा से चलने वाली अमेरिकी पनडुब्बी, यूएसएस अन्नापोलिस, उत्तर कोरिया के बढ़ते खतरों के खिलाफ संयुक्त निरोध को मजबूत करने के प्रयासों के तहत दक्षिण कोरिया के दक्षिणी द्वीप जेजू में एक नौसैनिक अड्डे पर पहुंची। उत्तर कोरिया ने 1 जुलाई को पूर्वी सागर में दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं, इसके बाद 22 जुलाई को कई क्रूज़ मिसाइलें लॉन्च की गईं

श्रीलंका में अपना दूतावास बंद करेगा नॉर्वे

कोलंबो । नॉर्वे सरकार ने घोषणा की है कि वह 31 जुलाई को श्रीलंका में अपना दूतावास बंद कर देगी और 1 अगस्त से नई दिल्ली स्थित राजनयिक मिशन से संचालन करेगा। कोलंबो में नॉर्वेजियन दूतावास ने एक फेसबुक पोस्ट में कहा, यह फेसबुक पेज बंद हो जाएगा। हम आपको भारत, श्रीलंका और मालदीव के साथ हमारे चल रहे सहयोग पर अधिक अपडेट के लिए नई दिल्ली में नॉर्वेजियन दूतावास के पेज को फॉलो करने के लिए आमंत्रित करते हैं !इसमें कहा गया है, नई दिल्ली में नॉर्वेजियन दूतावास अब भारत, भूटान, श्रीलंका और मालदीव में नॉर्वे के लिए जिम्मेदार मिशन होगा, जिसकी अध्यक्षता भारत में नॉर्वेजियन राजदूत करेंगे। यह निर्णय नॉर्वेजियन विदेश मंत्रालय की उस घोषणा के महीनों बाद आया है जिसमें कहा गया था कि कोलंबो में नॉर्वे के दूतावास सहित उसके पांच विदेशी मिशन बंद कर दिए जाएंगे नॉर्वेजियन विदेश मंत्री एनिकेन ह्यूटफेल्ट ने सितंबर 2022 में घोषणा की थी कि देश अपने विदेशी मिशनों में कई बदलाव करेगा। नॉर्वे और श्रीलंका ने 1952 में राजनयिक संबंध स्थापित किए थे और कोलंबो में दूतावास 1996 में खोला गया था।

अटाकामा रेगिस्तान के अल्टिप्लानो में पड़ती है दुनिया की सबसे ज्यादा धूप

वॉशिंगटन । पृथ्वी पर सबसे ज्यादा धूप अटाकामा रेगिस्तान में मौजूद अल्टिप्लानो में पड़ती है। बता दें ?कि यह जगह चिली में एंडीज पहाड़ों के पास एक शुष्क पठार है। यहां इतनी ज्यादा धूप मिलती है, जितनी कि हमारे सौरमंडल के शुक्र ग्रह पर पड़ती है। अमेरिकी मौसम विज्ञान सोसायटी के जर्नल बुलेटिन में 3 जुलाई को प्रकाशित अध्ययन के मुताबिक आमतौर पर यह ठंडी और शुष्क जगह है। लगभग 4000 मीटर की ऊंचाई वाली इस जगह पर भूमध्य रेखा के करीब या अधिक ऊंचाई वाले स्थानों की तुलना में ज्यादा धूप मिलती है। जानकारी के अनुसार अटाकामा रेगिस्तान कई कारणों से विशेष है। यह पृथ्वी पर सबसे पुराना रेगिस्तान है। यह ध्रुवों से दूर सबसे शुष्क जगहों में से एक है। पर्यटकों के लिए रात के आकाश को देखने के लिए इसे सबसे साफ जगहों में से एक माना जाता है। चिली अल्टिप्लानो अपने सौर विकिरण या सूर्य से पृथ्वी पर उत्सर्जित प्रकाश ऊर्जा के उत्पादन के लिए भी जाना जाता है। हालां?कि वैज्ञानिकों ने यहां पठार पर रेडिएशन 2,177 वाट प्रति वर्ग मीटर मापा है जो एक वर्ल्ड रिकॉर्ड है। इसकी तुलना के लिहाज से पृथ्वी के वायुमंडल के शीर्ष पर यह रेडिएशन लगभग 1360 वाट प्रति वर्ग मीटर है। नीदरलैंड में ग्रोनिंगन यूनिवर्सिटी के जलवायु विज्ञानी राउल कोर्डेरो का कहना है कि यह उतना रेडिएशन है, जितना आपको शुक्र ग्रह पर गर्मियों में मिलेगा। उन्होंने इस तुलना को अविश्वसनीय बताया। ऐसा इसलिए क्योंकि पृथ्वी की तुलना में शुक्र सूर्य से 28 फीसदी करीब है। पठार पर औसत सौर विकिरण लगभग 308 वाट प्रति वर्ग मीटर है। यह भी विश्व रिकॉर्ड है, जो यूरोप और अमेरिकी पूर्वी तट में दर्ज किए गए आंकड़ों से दोगुना है। इसी तरह नासा के वायुमंडलीय वैज्ञानिक सेजी काटो के मुताबिक सोलर रेडिएशन वायुमंडल से धरती तक आने के दौरान बादलों की ओर से अवशोषित कर लिया जाता है। हालांकि यह एक ऐसी जगह जो जल वाष्प परत के ऊपर है और कम बादल हैं उन्हें अनिवार्य रूप से ज्यादा धूप मिलेगी। चिली के इतने धूपदार होने के पीछे दक्षिणी गोलार्ध में इसकी भौगोलिक स्थिति है।

जापान पुलिस ने एक व्यक्ति का सिर काटने के मामले में महिला और उसके माता-पिता को गिरफ्तार किया

तोक्यो। जापान के उत्तरी शहर साप्पोरो में तीन सप्ताह पहले एक होटल के कमरे में एक व्यक्ति की सिर कटी लाश मिली थी और इस मामले में एक महिला और उसके माता-पिता को गिरफ्तार किया गया है। जापान पुलिस ने यह जानकारी दी। जापान के उत्तरी मुख्य द्वीप पर होक्काइडो पुलिस ने मंगलवार को बताया कि उन्होंने रूना तमुरा (29) और उसके मनोचिकित्सक पिता ओसामु तमुरा (59) को एक जुलाई से दो जुलाई की मध्य रात्रि में एक होटल के कमरे में पीड़ित का सिर काटने और उसके कटे हुए सिर को दूसरी जगह ले जाने की साजिश रचने के संदेह में एक दिन पहले गिरफ्तार किया था। पीड़ित हितोशी उरा (62) का सिर तब से गायब है। पुलिस ने मंगलवार को संदिग्धों के घर पर छापा मारा और मुख्य संदिग्ध की मां हिरोको तमुरा (60) जो कि अंशकालिक कामगार है को अपने परिवार के साथ सिर को घर पर ले जाके रखने की साजिश रचने के संदेह में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने यह नहीं बताया कि बेटी और पिता ने कैसे साथ मिलकर इस घटना को अंजाम दिया। पुलिस अभी भी उनके इस कृत्य के मकसद की जांच कर रही है और उसने यह नहीं बताया कि महिला और पीड़ित एक-दूसरे को जानते थे या नहीं। पुलिस ने यह संज्ञान भी लिया कि सम्भावना है कि रूना एक मानसिक रोगी है। मीडिया रिपोर्टों में पड़ोसियों के हवाले से कहा गया है कि उसे स्कूल जाने में कठिनाई होती थी और वह बचपन से ही एकांतप्रिय थी।

अबू धाबी में पाया गया नया एमईआरएस कोरोना वायरस क्या है? डब्ल्यूएचओ ने इस पर क्या कहा

कोरोना वायरस ने इंसानी जीवन में दस्तक दी और दुनियाभर में लाखों जानें ली। पूरी दुनिया लंबे वक्त तक इसकी चपेट में रही। लेकिन कुछ महीने पहले ही विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से इसे वैश्विक महामारी की लिस्ट से बाहर कर दिया है। लेकिन अब संभावित घातक मिडिल ईस्ट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम कोरोना वायरस (MERS-CoV) का एक मामला दर्ज किया गया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, MERS या मिडिल ईस्ट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम कोरोना वायरस का एक नया मामला सामने आया है। मीडिया ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का हवाला देते हुए ओमान की सीमा पर अबू धाबी के एक शहर में 28 वर्षीय व्यक्ति को एमईआरएस के लिए सकारात्मक परीक्षण किया है। उस व्यक्ति को पिछले महीने एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था और उस व्यक्ति के संपर्क में रहने वाले कुल 108 लोगों की भी जाँच की गई थी। अभी तक कोई भी द्वितीयक संक्रमण सामने नहीं आया है। मरीज के बारे में अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है। हालांकि स्थिति के बारे में कोई विशेष विवरण सामने नहीं आया है, लेकिन डब्ल्यूएचओ ने कहा है, जैसा कि रिपोर्टों में उद्धृत किया गया है, ऐसे कोई संकेत नहीं थे कि वह आदमी ड्रोमेडरी ऊंटों के संपर्क में आया था।

अल्जीरिया की जंगल में लगी आग, 10 सैनिकों सहित 25 लोगों की मौत

अल्जीयर्स। अल्जीरिया के जंगलों में लगी आग में 25 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में आग बुझाने की कोशिश कर रहे 10 सैनिक भी शामिल हैं, जो तेज हवाओं और प्रचंड गर्मी के बीच आग की लपटों को नियंत्रित करने में जुटे थे। आंतरिक मंत्रालय ने सोमवार को कोई विस्तृत जानकारी दिए बगैर कहा कि कम से कम 1,500 लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है। आंतरिक मंत्रालय ने जंगल में आग लगने से 15 लोगों की मौत होने और 24 अन्य के घायल होने की पुष्टि की। बाद में रक्षा मंत्रालय ने घोषणा की कि राजधानी अल्जीयर्स के बेनी कसीला पूर्व के रिजॉर्ट क्षेत्र में आग बुझाने के प्रयास में जुटे 10 सैनिकों की मौत हो गई और 25 लोग घायल हो गए। यह तुरंत स्पष्ट नहीं है कि लोगों की मौत कब हुई, लेकिन जंगलों में आग कई दिनों से लगी हुई है। आंतरिक मंत्रालय ने बताया कि तेज हवाओं से जंगल में आग भड़क उठी और इसकी लपटें वन क्षेत्र से आगे खेतों की ओर फैलने लगीं। मंत्रालय के मुताबिक, लपटें 16 क्षेत्रों में फैल गईं, जिससे उत्तर अफ्रीकी देश में आग लगने की 97 घटनाएं हुईं।

यूनान में रोमानिया का एक फायरफाइटर जंगल की आग से बचे एक खरगोश को पानी पिलाते हुए।

सभी पाकिस्तानी भीख का कटोरा फेंक दे और आत्मनिर्भर बने : सेना प्रमुख

इस्लामाबाद । पाकिस्तान इनदिनों कंगाली की हालात से गुजर रहा हैं। हर बार विदेशी ऋण की आस में बैठे पाकिस्तान पर उसके ही सेना प्रमुख भड़क गए हैं। पाकिस्तानी सेना प्रमुख सैयद असीम मुनीर ने कहा कि देश को विदेशी ऋण पर निर्भरता को कम करना चाहिए। उन्होंने देश को आत्मनिर्भर बनने की आवश्यकताओं को रेखांकित कर कहा कि पाकिस्तान एक गौरवान्वित, उत्साही और प्रतिभाशाली राष्ट्र है। सभी देशवासियों को भीख का कटोरा फेंक देना चाहिए। सेना प्रमुख ने खानेवाल मॉडल कृषि फार्म के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर कहा कि पाकिस्तान के पास सभी मूलभूत सुविधा मौजूद है। सेना प्रमुख ने कहा कि अल्लाह सर्वशक्तिमान ने पाकिस्तान को सभी आशीर्वादों से नवाजा है और दुनिया की कोई भी ताकत देश की प्रगति को रोक नहीं सकती है। जनरल मुनीर ने कहा कि देश मां की तरह होता है और लोगों और देश के बीच का रिश्ता प्यार और सम्मान का होता है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा और अर्थव्यवस्था एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं और एक-दूसरे के लिए अपरिहार्य हैं। सेना प्रमुख मुनीर ने कहा कि पाकिस्तानी सेना को अपने राष्ट्र की सेवा करने पर गर्व है, उन्होंने कहा कि सेना को अपनी ताकत लोगों से मिलती है। जनरल मुनीर ने वादा किया कि जब तक पाकिस्तान मौजूदा संकट से बाहर नहीं निकल जाता, सेना आराम से नहीं बैठेगी।

भारत के पड़ोस में छिड़ा युद्ध?

पाक ने अफगानिस्तान के सीमावर्ती प्रांत पर किया हमला, तालिबान ने की जवाबी कार्रवाई

इस्लामाबाद।(एजेंसी)। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) द्वारा आतंकवादी हमलों को लेकर इस्लामाबाद और सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर द्वारा काबुल को धमकी दिए जाने के कुछ दिनों बाद पाकिस्तानी बलों ने अफगानिस्तान के पक्तिका प्रांत पर गोलाबारी की। रिपोर्टों में कहा गया है कि पाकिस्तानी बलों ने अफगान सीमा पर कथित टीटीपी ठिकानों पर गोलाबारी की जिसके बाद तालिबान बलों ने भी जवाबी कार्रवाई की। अफगानिस्तान में टीटीपी की मौजूदगी को लेकर दोनों पक्षों के बीच तनाव के बीच यह झड़प हुई। कथित झड़प पर काबुल या इस्लामाबाद की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

पाकिस्तान ने इस सप्ताह अपने विशेष दूत को तीन दिवसीय यात्रा पर काबुल भेजा ताकि यह स्पष्ट संदेश दिया जा सके कि अंतरिम सरकार को टीटीपी के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करनी होगी। लेकिन अफ़ग़ान तालिबान ने कई बैठकों के बाद उनसे कहा कि पाकिस्तान को बल प्रयोग के बजाय शांति का रास्ता अपनाना चाहिए। राजदूत आसिफ दुर्रानी ने अपनी यात्रा के दौरान अफगानिस्तान के कार्यवाहक

उप प्रधान मंत्री मावलवी अब्दुल कबीर, कार्यवाहक विदेश मंत्री मावलवी अमीर खान मुत्ताकी और अन्य अधिकारियों से मुलाकात की।

बंद दरवाजे की बातचीत से परिचित आधिकारिक सूत्रों ने द एक्सप्रेस ट्रिब्यून को बताया कि अफगान तालिबान नेतृत्व को स्पष्ट शब्दों में बताया गया था कि टीटीपी के मुकाबले पाकिस्तान का धैर्य कमजोर हो रहा है। विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुमताज ज़हरा बलूच ने अपनी साप्ताहिक समाचार ब्रीफिंग में बताया कि आतंकवाद का मुद्दा, जैसा कि मैंने पहले भी कहा है, पिछली ब्रीफिंग में भी पाकिस्तान के लिए गंभीर चिंता का मुद्दा है। पाकिस्तान ने इस मुद्दे को अफगान अधिकारियों के साथ कई मौकों पर और पाकिस्तान और अफगान अंतरिम अधिकारियों के बीच होने वाली हर महत्वपूर्ण बातचीत में उठाया है।

25 से 29 जुलाई तक भारत की यात्रा पर आएंगे अमेरिका के विशेष दूत केरी, जलवायु परिवर्तन पर करेंगे चर्चा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि जलवायु के लिए अमेरिका के विशेष दूत जॉन केरी 25 से 29 जुलाई तक नई दिल्ली और चेन्नई का दौरा करेंगे। यह यात्रा 19 जुलाई को केरी की चीन यात्रा

के बाद हो रही है, जिसके परिणामस्वरूप कोई नया समझौता नहीं हुआ। एएनआई की रिपोर्ट के मुताबिक, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने एक भाषण में कहा था कि चीन अपनी गति से कार्बन डाइऑक्साइड प्रदूषण को चरणबद्ध तरीके से खत्म करेगा।

अपनी चीन यात्रा पर बोलते हुए केरी ने कहा कि हमारे बीच बहुत स्पष्ट बातचीत हुई लेकिन हम यहां नई जमीन हासिल करने आए हैं। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट है कि हमें थोड़ा और काम करने की जरूरत है। दिल्ली में केरी वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों से मिलेंगे और चेन्नई में वह जी20 पर्यावरण और जलवायु स्थिरता मंत्रियों (ईसीएसएम) की बैठक में भाग लेंगे।

अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि जलवायु के लिए विशेष राष्ट्रपति दूत जॉन केरी जलवायु और स्वच्छ ऊर्जा पर साझा उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए 25-29 जुलाई को नई दिल्ली और चेन्नई, भारत की यात्रा करेंगे, जिसमें नवीकरणीय ऊर्जा और भंडारण समाधानों में निवेश के लिए एक मंच बनाने, शून्य-उत्सर्जन बसों की तैनाती का समर्थन करने और स्वच्छ ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाने के पारस्परिक प्रयास शामिल हैं। पिछली पर्यावरण और जलवायु स्थिरता कार्य समूह (ईसीएसडब्ल्यूजी) की बैठक, जो 21 मई को हुई थी, वह भी भारत की जी20 अध्यक्षता के तहत थी।

पाकिस्तान निर्वाचन आयोग ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी का आदेश दिया

इस्लामाबाद। (एजेंसी)। पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग ने सोमवार कोइस्लामाबाद पुलिस को निर्देश दिया कि वह पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को गिरफ्तार कर मंगलवार को उसके समक्ष पेश करे। निर्वाचन आयोग ने अपनी अवमानना से जुड़े एक मामले में यह आदेश दिया है। पाकिस्तान निर्वाचन आयोग (ईसीपी) सुनवाई से खान की लगातार अनुपस्थिति से नाराज था और उसने अवमानना मामले में पेश नहीं होने के लिए पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ प्रमुख को गिरफ्तार करने का इस्लामाबाद के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) को निर्देश दिया। ईसीपी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त और निर्वाचन आयोग के खिलाफ कथित तौर पर ''अमर्यादित'' का इस्तेमाल करने के लिए पिछले साल खान (70) और उनकी पार्टी के पूर्व नेताओं असद उमर और फवाद चौधरी के खिलाफ अवमानना कार्यवाही शुरू की थी।

ईसीपी के सदस्य निसार दुर्रानी की अध्यक्षता वाली चार सदस्यीय पीठ ने 11 जुलाई को पिछली सुनवाई में उमर को राहत देने के साथ-साथ खान और चौधरी के लिए गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। पीठ ने सुनवाई के लिए 25 जुलाई की तारीख निर्धारित की थी। नवीनतम आदेश में ईसीपी ने कहा कि 16 जनवरी और दो मार्च को खान के लिए नोटिस और जमानती वारंट जारी किए जाने के बाद भी वह ईसीपी के सामने पेश होने में विफल रहे थे।

चीन के अंतरिक्ष प्रोग्राम को लेकर अमेरिका के हाथ पांव फूले

वॉशिंगटन (एजेंसी)। चीन अमेरिका की प्रतिद्वंदता किसी से छिपी नहीं है। पिछले कुछ समय से अमेरिका का चीन को खतरे के तौर पर देखना ज्यादा बढ़ गया है। अमेरिकी विशेषज्ञ भी चीन की अमेरिका से आगे निकलने की कोशिशों की गंभीरता को चिंता का विषय मान रहे हैं। हाल में चीन ने जिस तेजी से अंतरिक्ष के क्षेत्र में प्रयास किए हैं अमेरिकी विशेषज्ञों की चिंता उससे कहीं आगे की है। चीन अंतरिक्ष के क्षेत्र की तरक्की को अमेरिकी चीन की सैन्य विस्तारवाद रवैये से जोड़ कर देख रहे हैं और उनके पास इस तरह के कई संकेत भी हैं, जो इशारा करता है कि अमेरिका को इस दिशा में सचेत होने की जरूरत है। हाल में डेविड इग्नेटियस ने अपने लेख में चीन की बढ़ती गतिविधियों के कारण पैदा होने वाली इन्हीं चिंताओं को रेखांकित किया है। 2007 में चीन ने पहला एंटीसैटेलाइट हथियार का परीक्षण किया था। उसके बाद से उसने इसतरह के सैटेलाइट की परीक्षण किया है जो दूसरे सैटेलाइट की खींच कर कक्षा से दूर ले जा सकते हैं।

इतना ही नहीं चीन ने इसतरह के स्पेसप्लेन भी बनाए हैं, जो कक्षा में वुस्तओं को पकड़ सकते हैं। अंतरिक्ष के निचले स्तर पर हवा में चीनी जासूसी गुब्बारे भी उड़ने लगे हैं। कुल मिलाकर चीन अंतरिक्ष की क्षमताओं का दोहन कर नियंत्रित करना चाहता है।

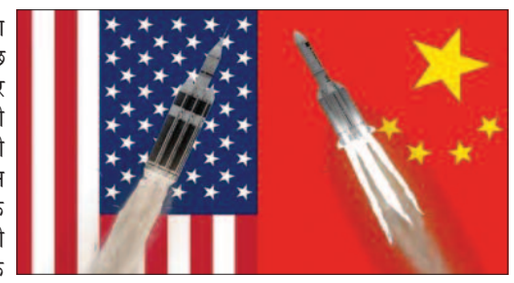

वहीं अमेरिका चीन की महत्वाकांक्षाओं को पहचानने में धीमा ही रहा। अपोलो अभियान के खत्म होने और फिर स्पेस शटल के रिटायर होने के बाद अमेरिका की रुचि खत्म होती दिखने लगी। लेकिन अमेरिका ने चीनी प्रयासों की प्रतिक्रिया देर से दी।

अमेरिका में पिछली सरकार में डोनाल्ट ट्रम्प ने अंतरिक्ष के सैन्य पहलू को ध्यान में रखते हुए स्पेस फोर्स नाम की सैन्य शाखा खोली। इग्नेटियस ने एस्पियन सिक्यूरिट फोरम पर चार विशेषज्ञों, यूएस स्पेस कमांड के प्रमुख जन. जेम्स एतच डिकिन्सन, स्पेस पॉलिसी के लिए असिस्टेंट सेक्रेटरी ऑफ डिफेंस एफ प्लम्ब, ऑफिस ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी पॉलिसी की असिस्टेंट डायरेक्टर एजीन उजो ओकोरो, और रॉकेट बनाने कंपनी यूनाइटेड लांच एलाएंस के चीफ एक्जीक्यूटिव साल्वाटोर टोरी ब्रूनो, सही ने इस मुद्दे पर माना की चीन एक तेजी से बढ़ता खतरा है। चीन के वर्चस्व के प्रयासों के जवाब सरकारी और निजी व्यवसायिक सैटेलाइट का विकसित होता समूह होगा जो पृथ्वी की निचली कक्षा में निगरानी नेटवर्क का विकास कर रहे हैं। एलम्ब बातते हैं कि अमेरिकी रक्षा विभाग पैंटागन अंतरिक्ष के क्षेत्र में सक्रिय 130 से अधिक कंपनियों से साझेदारी कर रहा है। चीन इसकी बराबरी नहीं कर सकता है। लेकिन इस विषय पर ज्यादा जानकारी नहीं उपलब्ध नहीं है कि क्योंकि सरकार के मुताबिक क्लासिफाइड स्तर की जानकारी है। इग्नेटियस याद दिलाते हुए लिखते हैं कि उन्हें उम्मीद है कि अधिकारी 2021 में तत्कालीन ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के वाइस चेयरमैन जन जॉन हेटन की सलाह को नहीं भूले, जिसमें उन्होंने कहा कि प्रतिरक्षा (डेटेरेंस) क्लासिफाइड संसार में नहीं होती है। फिर भी सूत्रों का कहना हैं कि अमेरिका इस मामले में हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठा है।

पैंटागन के लीक दस्तावेजों से पता चलता है कि चीन अंतरिक्ष में एक तरह के साइबर वॉर की तैयारी कर रहा है जिससे वह अंतरिक्ष में सैटेलाइट को जाम कर सकता है अक्षम कर सकता है। चीन साइबर हमले का उपयोग कर सैटेलाइट को नियंत्रित कर सकता है जिससे वे संचार, हथियारों, इंटेलिजेंस, निगरानी तंत्रों को निष्प्रभावी तक कर सकता है।

कोपेनहेगेन में जलाई गई कुरान.....मुस्लिम देशों का गुस्सा सातवें आसमान पर

-कई मुस्लिम देशों ने घटना की निंदा की

कोपेनहेगन (एजेंसी)। कोपेनहेगेन में फिर इराक के दूतावास के बाहर कुरान को जलाकर उसका अपमान किया गया है। नए घटनाक्रम के बाद से ही दुनिया भर के मुसलमानों में नाराजगी है। यह घटनाक्रम इराक और कोपेनहेगन के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और खराब कर सकता है। इराक ने घटना की निंदा कर कहा है कि बगदाद में दूतावास के डेनमार्क के कर्मचारियों को विरोध प्रदर्शन के बाद देश छोड़कर जाना पड़ गया था। जबकि डेनमार्क ने इससे इनकार कर दिया है।

डेनमार्क में इराक के दूतावास के बाहर कुरान जलाने की घटना को अंजाम देने वाले दोनों प्रदर्शनकारी डेनिश पैट्रियट्स ग्रुप से थे। इस ग्रुप की तरफ से ही 23 जुलाई को भी इसी तरह की घटना को अंजाम दिया गया था। इन?होंने फेसबुक पर इन घटनाओं को लाइव-स्ट्रीम किया था। दोनों देशों में आगजनी को लेकर कई हजार इराकियों ने शनिवार को बगदाद में प्रदर्शन किया। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने कहा कि पवित्र कुरान का अपमान करने वाले लोगों को सबसे कड़ी सजा मिलनी चाहिए। यूरोप के देशों डेनमार्क और स्वीडन में अभिव्यक्ति की आजादी के नियमों के तहत पवित्र कुरान को जलाने की मंजूरी दी गई है। इसके बाद ईरान और इराक में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। इराक में प्रदर्शनकारियों ने पिछले हफ्ते बगदाद में स्वीडन के दूतावास को आग लगा दी थी।

मुसलमान, कुरान को ईश?वर का वचन मानते हैं और यह उनके लिए बहुत पवित्र है। अगर कोई भी कुरान को जानबूझकर नुकसान पहुंचाता है या फिर इसके प्रति अनादर दिखाता है, तब इस बेहद अपमानजनक समझा जाता है। कोपेनहेगन में नई घटना की वजह से सना में हजारों प्रदर्शनकारियों ने एक रैली निकाली। रैली में शामिल लोगों ने इस तरह के कृत्यों की अनुमति देने के लिए डेनमार्क और स्वीडन दोनों पर गुस्सा व्यक्त किया। तुर्की ने इस घटना को

कुरान पर घृणित हमला कहा है। वहीं, अल्जीरिया के विदेश मंत्रालय ने कृत्यों की निंदा करने के लिए डेनिश राजदूत और स्वीडिश के विदेश मामलों के प्रभारी को बुलाया।

एक ट्वीट में, डेनमार्क के विदेश मंत्रालय ने कहा- डेनमार्क आज कुरान को जलाने की निंदा करता है। ये उत्तेजक और शर्मनाक कृत्य डेनिश सरकार के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। सभी से संयम की अपील है। हिंसा का जवाब हिंसा से कभी भी नहीं देना चाहिए।

दीपिका पादुकोण ने एक बार नहीं बल्कि 6 बार ठुकराया सलमान खान के साथ काम करने का ऑफर

जोड़ियां या तो स्वर्ग में बनती हैं या ऑन-स्क्रीन। लेकिन सलमान खान और दीपिका पादुकोण अभी भी कास्ट होने का इंतजार कर रहे हैं। अपने ही इंडस्ट्री में दो शक्तिशाली प्रतिभाएं और सुपरस्टार अभी भी एक साथ फिल्म में काम करने का इंतजार कर रहे हैं। हालाँकि वे एक-दूसरे के साथ काम करने के लिए कई बार अप्रोच किए गये लेकिन बात नहीं बनी। सलमान खान डीपी के फिल्मी करियर की शुरुआत करने से पहले से ही उनके साथ जोड़ी बनाने की कोशिश कर रहे थे लेकिन शायद वो सही समय नहीं था।

सलमान खान और दीपिका पादुकोण को स्क्रीन साझा करने का अवसर नहीं मिला है। कथित तौर पर दीपिका ने जय हो, सुल्तान, प्रेम रतन धन पायो और किक सहित सलमान खान की कई फिल्मों में काम करने के प्रस्ताव ठुकरा दिए हैं। दिलचस्प बात यह है कि ऐसी अफवाहें थीं कि सलमान खान ने खुद दीपिका को उनकी पहली फिल्म ऑफर की थी। कोइमोई में प्रकाशित एक लेख के अनुसार, ऐसा कहा जाता है कि अभिनेत्री ने इस प्रस्ताव को अस्वीकार करने का फैसला किया और दो साल बाद शाहरुख खान की ओम शांति ओम के साथ अपनी शुरुआत की।

एक समय था जब दीपिका ने संजय लीला भंसाली की फिल्म इंशाअल्लाह के निर्माण के दौरान सलमान खान के साथ काम करने में रुचि व्यक्त की थी। तब तक वह भंसाली की प्रेरणा थीं, इसलिए उन्हें उम्मीद थी कि उन्हें फिल्म में लिया जाएगा। दुर्भाग्य से, उन्हें सूचित किया गया कि मुख्य भूमिका पहले ही आलिया भट्ट को सौंपी जा चुकी है, संभवतः कहानी के आधार में एक बुजुर्ग व्यक्ति को एक युवा लड़की से प्यार हो गया, जिससे आलिया अधिक उपयुक्त हो गईं।

इस बात की भी अटकलें लगाई जा रही थीं कि सलमान खान और दीपिका पादुकोण फिल्म टाइगर वर्सेज पठान में एक साथ आ सकते हैं। हालाँकि, ऐसा लग रहा था कि फिल्म मुख्य अभिनेत्री के लिए जगह नहीं छोड़ पाएगी, क्योंकि शाहरुख खान और सलमान खान को मुख्य अभिनेता के रूप में लिया गया था।

फिलहाल दीपिका प्रोजेक्ट के और फाइटर जैसे प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं। इसके अतिरिक्त, द इंटर्न रीमेक और द्रौपदी के चरित्र पर आधारित एक फिल्म में उनकी भागीदारी के बारे में भी अफवाहें हैं। दूसरी ओर, सलमान खान टाइगर 3 और टाइगर वर्सेस पठान की तैयारी कर रहे हैं, और प्रेम की शादी और करण जौहर के साथ एक फिल्म को लेकर भी चर्चा चल रही है। हालांकि, किसी फिल्म में उनकी जोड़ी को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है. प्रशंसक उत्सुकता से इस संभावना का इंतजार कर रहे हैं कि नियति सलमान खान और दीपिका पादुकोण को एक भविष्य के प्रोजेक्ट में एक साथ लाएगी, जिससे उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री देखने का उनका लंबे समय से प्रतीक्षित सपना पूरा होगा।

दीपिका ने पहली बार शेयर की बेटे की फोटो

छोटे परदे की एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ ने अपने बेबी की पहली तस्वीर शेयर की हैं। इसके साथ ही दीपिका ने बेबी के वन मंथ पूरे होने पर उसे मिले तोहफों की झलक भी फैंस को दिखाई है। दीपिका कक्कड़ ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पहली बार बेटे की फोटो शेयर की है। तस्वीर में दीपिका अपने बेबी और पति शोएब के साथ नजर आ रही हैं। शोएब अपनी गोद में बेटे को लिए नजर आ रहे हैं और दीपिका ने लाडले का हाथ थामा हुआ है। फोटो शेयर कर दीपिका ने कैप्शन में लिखा- रुहान। अपनी दुआओं में उसे रखने के लिए आपका शुक्रिया। वहीं, फैमिली ने भी दीपिका-इब्राहिम के लाडले को सरप्राइज दिया। केक कटिंग से लेकर उन्होंने कई सारे तोहफे दिए। व्लॉग में शोएब इब्राहिम ने बताया कि सबा इब्राहिम मौदहा से अपने भतीजे के लिए कुछ तोहफे लेकर आई हैं। व्लॉग में वह उन तोहफो की अनबॉक्सिंग भी करते दिखाई दिए। इसमें बच्चे के ढेर सारे कपड़े और हाथ में पहनने वाले काले मोती के ब्रेसलेट थे। बता दें कि एक महीने पहले पति शोएब संग अपने पहले बच्चे का स्वागत किया था। 21 जून को एक्ट्रेस ने एक प्यारे से बेटे को जन्म दिया था, जिसका नाम उन्होंने रुहान रखा है।

रकुल प्रीत सिंह ने बढ़ाई दुबई की गर्मी !

रकुल प्रीत सिंह दुबई में अपनी छुट्टियों के साथ फुल एंजोय कर रही हैं। अपने हॉलीडे की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करके रकुल प्रीत सिंह इंटरनेट का पारा भी बढ़ा रही हैं। अभिनेत्री की इस साल दो फिल्में रिलीज़ हुईं, तेजस विजय देउस्कर की छत्रीवाली और निखिल महाजन की आई लव यू। अब इसके बाद रकुल ने खुद को काम से ब्रेक दिया और हॉलीडे पर निकल गयी। उन्होंने दुबई के समुद्र तटों पर अपने बालों को खुला कर ललहराते हुए तस्वीरें पोस्ट की है। रकुल अपने बोल्ट स्टाइल के लिए जानी जाती है उन्होंने अपने सेक्सी लुक में तस्वीरें शेयर की है। सटीक रूप से कहें तो, उनकी दुबई डायरियां मौज-मस्ती और फैशन के बारे में लगती हैं।

23 जुलाई को, रकुल प्रीत सिंह ने हमें इंस्टाग्राम पर अपने हॉलिडे सेशन की कुछ झलकियाँ दिखाईं, जिसमें कुछ प्रमुख फैशन इंस्पो शामिल थे। उसका कैप्शन था 卐सूरज और रेत卐। डॉक्टर जी की अभिनेत्री ने लगी हरे रंग की बिकनी सेट पहना हुआ था।, जिसे उन्होंने नींबू-हरे रंग की ओवरसाइज़्ड शर्ट के साथ जोड़ा था।

उसके बालों का ऊपरी जूड़ा बना हुआ था और काले रंग का धूप का चश्मा लगा रखा था। अभिनेत्री को समुद्र तट पर सनलाउंजर पर आराम करते हुए, अपने सुडौल पैरों को दिखाते हुए, चेहरे पर एक चमकती मुस्कान के साथ कैद किया गया था। रकुल ने उथले पानी में अपने पैर डुबोते हुए शहर के परिदृश्य के सामने पोज़ दिया और अपने समुद्र तट के दिन का पूरा आनंद लिया।

ड्रीम गर्ल 2 से सामने आया आयुष्मान खुराना उर्फ़ पूजा का कातिलाना लुक

फाइनली पूजा हाजिर है! हम बात कर रहें है बहुप्रतीक्षित ब्लॉकबस्टर सीक्वल ड्रीमगर्ल 2 से आयुष्मान खुराना के किरदार पूजा की जिसने पिछले कुछ समय से लोगों का सुख, चैन सब छीन लिया था। यहां तक कि इंडस्ट्री के बड़े बड़े सुपरस्टार्स के बीच भी पूजा के दीदार करने की चाहत हिलोरे मार रही थी। पर अब सबकी चहेती पूजा के मुखड़े से पर्दा उठा दिया गया है।

फिल्म के लीड एक्टर आयुष्मान ने खुद पूजा के रुप की एक झलक दुनिया के सामने पेश की है। इसी के साथ उन्होंने फैन्स को डबल ट्रीट भी दी जिसने उनके दिलों में फिल्म के बेकरारी और बढ़ा दी हैं। दरअसल एक्टर ने न सिर्फ फिल्म से अपने किरदार पूजा को सभी से रूबरू कराया बल्कि उन्होंने करम को भी सभी से इंट्रोड्यूस करा दिया है। फिल्म के इस माइंड ब्लोइंग पोस्टर पर आयुष्मान का पूजा में बदलना किसी जादू से कम नहीं है। इन विपरीत किरदारों के बीच उनके सहज परिवर्तन ने हमें हैरानी में डाल दिया है। अब हर कोई उनके दोहरे डायनेमो प्रदर्शन के बारे में बात कर रहा है जो देश में धूम मचाने के लिए तैयार है। प्रतिभाशाली आयुष्मान को इतनी सुंदरता और भव्यता के साथ पूजा का किरदार निभाते देखना एक रोमांचकारी अनुभव है!

फिल्म का ये पोस्टर सभी की उम्मीदों पर खरा उतरा है। ऐसे में अब हर गुजरते दिन के साथ फिल्म को लेकर हर उम्र के दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ती जा रही है। सोशल मीडिया ड्रीम गर्ल 2 के बारे में चर्चाओं से भरा हुआ है जो प्यार, हंसी और नॉन-स्टॉप एंटरटेनमेंट का एक जबरदस्त मेल है। बता दें, बॉक्स ऑफिस पर ड्रीम गर्ल की जबरदस्त सफलता और इसके भरपूर मनोरंजन ने दर्शकों को खुश कर दिया था। आयुष्मान द्वारा एक लड़की की आवाज का निकालना एक प्रमुख आकर्षण था, जिसने सभी को प्रभावित किया। अब, सीक्वल में, 'पूजा' के रूप में आयुष्मान का परिवर्तन मनोरंजन को और भी अधिक ऊंचाइयों पर ले जाने का वादा करता है, जो सभी को दीवाना कर देता है।

यह आकर्षक फिल्म पोस्टर तो सिर्फ एक झलक भर है, इंतजार का असली मजा तो ट्रेलर रिलीज के साथ शुरू होगा। राज शांडिल्य द्वारा निर्देशित यह फिल्म हंसाने का वादा करती है। एकता आर. कपूर और शोभा कपूर द्वारा निर्मित इस फिल्म की मजेदार राइड के लिए कैलेंडर में अपनी डेट्स मार्क कर लीजिए और तैयार रहिए पूजा से मिलने के लिए। ये बहुप्रतीक्षित सीक्वल 25 अगस्त, 2023 को बड़े पर्दे पर आने के लिए तैयार है।

अभिषेक-अविनाश में देखने को मिली तगड़ी लड़ाई

रियलिटी शो 'बिग बॉस ओटीटी-2' के लेटेस्ट एपिसोड में अविनाश सचदेव और अभिषेक मल्हान के बीच तगड़ी लड़ाई देखने को मिली है। इस हफ्ते की कैप्टेंसी के लिए बिग बॉस ने 5 दावेदारों- अविनाश सचदेव, फलक नाज़, जाद हदीद, पूजा भट्ट और बेबिका धुर्वे के लिए एक नए टास्क की घोषणा की। पांचों को बीबी साइन पर मिट्टी डालने के लिए कहा गया और बाकी कंटेस्टेंट्स को बीबी साइन से मिट्टी हटाने को काम निर्देश दिया गया। वहीं, अभिषेक मल्हान को इस का टास्क का संचालक बनाया गया। आशिका भाटिया शुरू से ही अविनाश के टास्क को खराब करने में ही लगी रहीं। इस दौरान दोनों एक-दूसरे को खूब भला बुरा कहा। अविनाश सचदेव और आशिका भाटिया एक-दूसरे पूरा टाइम गधा-बैल कहते रहे।

इस बीच आशिका संचालक अभिषेक मल्हान से शिकायत करती है कि अविनाश जानबूझ कर उन्हें धक्का दे रहे हैं और उनके हाथ पर मिट्टी फेंक मार रहे हैं। वह, पूजा भट्ट से भी शिकायत करती हैं। अभिषेक मल्हान तीसरे राउंड में आशिका भाटिया के समर्थन किया। अभिषेक अविनाश को 卐लड़कियों से लड़ने वाले बकरी卐 और उन्हें अपनी लिमिट में रहने के लिए कहते हैं। दोनों एक-दूसरे को साला-बेवकूफ और बाहर मिलकर लड़ने की धमकी देते हैं। मनीषा अभिषेक को कंट्रोल करने के लिए कहती है क्योंकि वह 'संचालक' है। आखिरी में दोनों एक दूसरे को 'नल्ला' कह कर पुकारते हैं। वे एक-दूसरे को गालियां देते हैं।

जाद हदीद के मिट्ठी अभिषेक मल्हान, मनीषा रानी, आशिका भाटिया, एल्विश यादव हटाते हैं, जबकि पूजा भट्ट की मिट्ठी जिया शंकर, फलक नाज, बेबिका धुर्वे और अविनाश सचदेव हटाते हैं। लेकिन टास्क में पूजा भट्ट की जीत होती है और वह इस हफ्त के लिए कप्तान बनी हैं।टास्क समाप्त हो जाने के बाद, अभिषेक अविनाश के पास लड़ाई को सुलझाने और चर्चा करने के लिए जाता है, लेकिन अविनाश सुनने के मूड में नहीं है। वहीं, कैप्टेंसी टास्क के फाइनल राउंड में पूजा भट्ट और जाद हदीद के बीच मुकाबला होता है। यहां घरवालों के बीच क्लियर गुट बनते दिखाई देते हैं।

इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न में सम्मानित होंगे कार्तिक

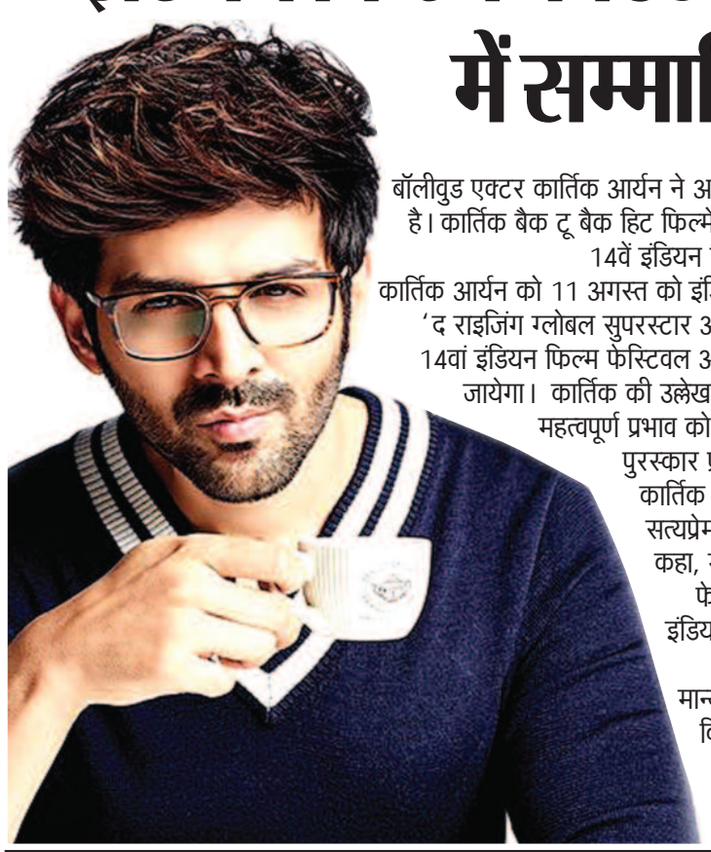

बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन ने अपनी दमदार एक्टिंग से इंडस्ट्री में एक अलग पहचान बनाई है। कार्तिक बैक टू बैक हिट फिल्में बॉक्स ऑफिस पर दे रहे हैं। वहीं अब कार्तिक आर्यन को 14वें इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न में सम्मानित किया जायेगा। कार्तिक आर्यन को 11 अगस्त को इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न में भारतीय सिनेमा के 'द राइजिंग ग्लोबल सुपरस्टार ऑफ इंडियन सिनेमा' पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। 14वां इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेल्बर्न 11 अगस्त से 20 अगस्त, 2023 तक मनाया जायेगा। कार्तिक की उल्लेखनीय उपलब्धियों और भारतीय सिनेमा की दुनिया पर उनके महत्वपूर्ण प्रभाव को मान्यता देते हुए, विक्टोरिया के सम्मानित गवर्नर द्वारा यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेल्बर्न कार्तिक आर्यन की फिल्मों की कई स्क्रीनिंग प्रदर्शित करेगा। इनमें सत्यप्रेम की कथा, भूल भुलैया 2 शामिल होगी। कार्तिक आर्यन ने कहा, मैं इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए विक्टोरियन सरकार और फेस्टिवल के प्रति बहुत सम्मानित और आभारी हूं और 14वें इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेल्बर्न में इसका जश्न मनाने के लिए आभारी हूं। भारतीय सिनेमा में मेरे काम के लिए यह मान्यता प्राप्त करना एक बहुत बड़ा सौभाग्य है। एक्टर ने कहा कि मैंने हमेशा कहानी कहने की शक्ति और फिल्मों से दिलों को छूने और दिमाग को प्रेरित करने की क्षमता में विश्वास किया है। मैं सिनेमा के जादू को मनाने के लिए उत्सुक हूं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राजकुमार शर्मा ने वैकुंठ मीडिया प्राइवेट लिमिटेड सी -285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर कार्यालय 178 राहुल विहार विजय नगर,गाजियाबाद से प्रकाशित किया है। किसी खबर या लेख से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सभी विवादों का निस्तारण जिला न्यायालय गाजियाबाद में होगा। प्रबंध संपादक-महेश कुमार - 9911733939, कानूनी सलाह- नरेंद्र सिंह रणोत एडवोकेट, सलाहकार कुशल सिंह, RNI No-UPHIN/2013/50466, Editor R.K. Sharma : 09456278011